www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 101 || लखनऊ
शनिवार
11 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:20
सूर्यास्त: 07:03
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | विकसित भारत की राह में... >> पेज 04 | एचबीटीयू हॉस्टल में लाइट नहीं... >> पेज 06 | तलाक की अफवाहों पर बोले...

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट भंग हो : दीपेंद्र हुड्डा

राजीव गांधी ने अयोध्या में मंदिर का ताला खुलवाया था ■ एससी की निगरानी में हो जांच

प्रेस वार्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को लखनऊ में केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर तीखा हमला बोला। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरियाणा से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच, ट्रस्ट को भंग करने और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

अजय राय ने आरोप लगाया कि भगवान राम के मंदिर में योजनाबद्ध तरीके से लूट हुई है। इस पूरी साजिश के तार प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राम मंदिर निर्माण का राजनीतिक श्रेय लिया था, इसलिए अब जवाबदेही से बच नहीं सकती।

राम मंदिर का ताला कांग्रेस सरकार में खुला था

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस भगवान राम और सभी धर्मों की आस्था का सम्मान करती है। उन्होंने दावा किया कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री और वीर बहादुर सिंह के मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस सरकार के दौरान राम मंदिर का ताला खुला था और पूजा-अर्चना की शुरुआत हुई थी।

उन्होंने कहा कि जब मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा हुई तो भाजपा ने उसका राजनीतिक लाभ लिया, लेकिन अब कथित चढ़ावा चोरी के मामले में सरकार और प्रधानमंत्री मौन हैं। हुड्डा ने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। ऐसे में यदि मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी हुई है तो पूरे देश को सच्चाई जानने का अधिकार है। >> (शेष पेज 06 पर)

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

- प्रधानमंत्री इस मामले पर देश के सामने जवाब दें।
- जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, उनकी तत्काल गिरफ्तारी हो।
- सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में न्यायिक जांच कराई जाए।
- श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग किया जाए।
- राम मंदिर के चढ़ावे और चंदे का फॉरेंसिक ऑडिट कराया जाए।
- दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

15 लोगों की जान लेने वाली बिल्डिंग पर चलेगा बुलडोजर

कोर्ट ने दिया आदेश, फायर एग्जिट की जगह लगी थी लिफ्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज सेक्टर-डी स्थित भवन संख्या-102 में 22 जून को हुए भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के मामले में आज बड़ा फैसला आया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की विहित प्राधिकारी कोर्ट ने भवन के ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया है।

कोर्ट ने भवन स्वामी की ओर से दाखिल जवाब पर सुनवाई के बाद अवैध निर्माण को नियमों के विपरीत मानते हुए कार्रवाई को मंजूरी दे दी है। अग्निकांड के बाद एलडीए की जांच में भवन निर्माण में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं।

जांच रिपोर्ट के आधार पर भवन स्वामी को नोटिस जारी किया गया था। बुधवार को आरोपी पक्ष ने कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया था और विस्तृत सुनवाई के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था, लेकिन विहित प्राधिकारी ने अतिरिक्त समय देने से इनकार करते हुए गुरुवार को सुनवाई करके फैसला सुरक्षित रखा था। आज कोर्ट ने ध्वस्तीकरण का आदेश जारी कर दिया है।

- भवन स्वामी को जारी हुआ था नोटिस
- जांच में कई गंभीर लापरवाही सामने आई

एलडीए की जांच में सामने आया था कि भवन का निर्माण स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किया गया। एसआईटी जांच में भी कई गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। भवन में जहां फायर एग्जिट और लोहे की सीढ़ियां होनी चाहिए थीं, वहां लिफ्ट लगा दी गई थी। स्वीकृत क्षमता से अधिक बिजली लोड का उपयोग और अतिरिक्त निर्माण भी मिला।

फास्ट न्यूज

3 पूर्व राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक गुरुवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने तीनों को बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद तीनों नेताओं ने राज्यसभा की सदस्यता और टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था।

जगन्नाथ पुरी के राजा का राष्ट्रपति और पीएम को लेटर

भुवनेश्वर। पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव ने ISKCON की तरफ से अलग तिथियों पर जगन्नाथ रथयात्रा और स्नान यात्रा निकालने पर आपत्ति जताई है। दिव्यसिंह देव ने 8 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा है और हस्तक्षेप की मांग की है। दिव्यसिंह ने कहा कि इससे प्राचीन परंपरा खत्म हो जाएगी। गजपति महाराज दिव्यसिंह देब श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (SJTMC) के अध्यक्ष हैं। उनका कहना है कि ISKCON रथयात्रा का आयोजन ऐसी तारीखों पर कर रहा है, जो शास्त्रों के अनुसार नहीं हैं। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हो रही हैं।

चन्नी समेत 3 नेताओं की आज पंजाब प्रभारी से मीटिंग

लुधियाना। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद चरणजीत सिंह चन्नी आखिरकार पार्टी के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल से मुलाकात के लिए तैयार हो गए हैं। चन्नी ने कहा कि पार्टी में एकजुटता बनाए रखने के लिए कल यानी (11 जुलाई को) पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को बैठक के लिए न्योता दिया है, ताकि पार्टी के सभी नेता खुलकर अपनी बात रख सकें। इसकी मेजवानी विधायक राणा गुरजीत सिंह करेंगे।

वकील ने सीजेआई का नाम लेकर अपशब्द कहे ■ फाइल फेंकी ■ सिक्योरिटी ने बाहर निकाला

सुप्रीम कोर्ट में सुप्रीम ड्रामा !

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान एक वकील ने हंगामा किया। सीजेआई सूर्यकांत को अपशब्द कहे और फाइल भी फेंकी। इस दौरान सीजेआई कोर्ट रूम में मौजूद नहीं थे।

यह घटना जस्टिस केवी विश्वनाथन, जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। हंगामे के बाद कोर्ट के आदेश पर सिक्योरिटी ने वकील को तुरंत बाहर निकाल दिया।

जब उस याचिकाकर्ता वकील ने अभद्रता शुरू की, तब कोर्ट रूम में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। दिल्ली पुलिस वकील को पूछताछ के लिए ले गई है।

■ सुनवाई के दौरान जिस वकील ने हंगामा किया, उसका नाम प्रबल प्रताप है।

जिस वकील ने हंगामा किया उसका नाम प्रबल प्रताप था। वह इलाहाबाद हाईकोर्ट से अपनी रिट याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। याचिका में अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें प्रबल की अर्जी पर पुलिस से जांच कराने के बजाय उसे निजी शिकायत मान लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई तो जज ने याचिकाकर्ता से पूछा आप खुद ही पैरवी करेंगे। इस पर प्रबल बोला- "न्यायिक अधिकारी महोदय, मैं आपको आदेश देता हूं कि आप लखनऊ के ACP के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दें।" >> (शेष पेज 06 पर)

- सुप्रीम कोर्ट में जजों को आदेश देने लगा
- वकील को सिक्योरिटी ने माइक से हटाया और कोर्ट रूम से बाहर ले गई।
- वकील के कागज फेंकने के तुरंत बाद पीछे बैठी वकील बुरी तरह डर गई।

कोर्ट ने नहीं लिया एक्शन, लेकिन बार काउंसिल कर सकता है कार्रवाई

इस वकील के खिलाफ बार काउंसिल भी कार्रवाई कर सकता है। दरअसल, अगर कोई वकील अपने पेशे के नियमों का पालन नहीं करता या गलत आचरण करता है, तो उसके खिलाफ एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के तहत कार्रवाई हो सकती है।

पहले शुरुआती जांच होती है, अगर जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो उसे बार काउंसिल की अनुशासनात्मक समिति के पास भेजा जाएगा।

वकील दोषी मिला तो उसे चेतावनी दी जा सकती है, कुछ समय के लिए वकालत करने से रोका जा सकता है। उसका नाम बार काउंसिल की सूची से हटाया जा सकता है।

चंद्रशेखर काफिला रोकने पर भड़के

'पुलिस की गुंडागर्दी नहीं चलेगी'

लताड़

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । यूपी के मेरठ में दलित छात्रा ललिता गौतम के परिजनों से मिलने जा रहे सांसद चंद्रशेखर आजाद को सिवाया टोल प्लाजा पर रोक दिया गया। चंद्रशेखर शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे पूर्व ADG प्रेम प्रकाश और 300 कार्यकर्ताओं के साथ टोल प्लाजा पहुंचे थे। पुलिस ने टोल प्लाजा पर बैरिकेडिंग कर 400 से ज्यादा जवान तैनात कर दिए। अधिकारियों ने कहा- गांव जाने से माहौल खराब हो सकता है। इस पर चंद्रशेखर अड़ गए। उन्होंने कहा, "हम वहां जाकर ही रहेंगे। पुलिस गुंडागर्दी कर रही है। इसके बाद सड़क पर बैठ गए।"

■ तस्वीर मुजफ्फरनगर के रोहाना टोल प्लाजा की है। पुलिस अधिकारी हाथ जोड़ते रहे।

मामला बढ़ता देख पुलिस अधिकारियों ने ललिता के परिवार को टोल प्लाजा बुलाने का प्रस्ताव रखा, काफी देर बातचीत के बाद चंद्रशेखर इसके लिए राजी हो गए। इसके बाद पुलिस परिवार को टोल प्लाजा लेकर आई। यहां चंद्रशेखर ने उनसे मुलाकात की। चंद्रशेखर ने प्रशासन को 7 दिन का समय दिया है। >> (शेष पेज 06 पर)

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट पर प्रत्याशी बदला

नए कैंडिडेट नीरज सिन्हा 20 साल से पार्टी से जुड़े

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से खाली हुई बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा को नामांकन के अगले ही दिन अपना कैंडिडेट बदलना पड़ा। पहले घोषित कैंडिडेट अभिषेक सिन्हा ने नाम वापस लेने का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने उनकी जगह नीरज सिन्हा को नया उम्मीदवार बनाया है। बांकीपुर में 30 जुलाई को वोटिंग है और तीन अगस्त को काउंटिंग होगी। सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक के नामांकन पत्र में परिवार और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी में गड़बड़ियों के चलते भाजपा ने यह फैसला लिया। भाजपा को डर था गड़बड़ियों के चलते अभिषेक का नामांकन कैंसिल हो सकता है। इसी सीट से चुनाव लड़ रहे जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर और RJD चुनाव में इसे मुद्दा बना सकते हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

- नामांकन में गड़बड़ी थी, भाजपा ने बांकीपुर उपचुनाव के लिए आनन-फानन में नया कैंडिडेट उतारा

करूर भगदड़ मेरे जीवन का सबसे बड़ा दर्द : विजय

पुलिस भीड़ संभालने में नाकाम रही ■ द्रमुक ने 41 मौतों का जिम्मेदार मुझे ठहराया

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) के अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय भगदड़ की घटना के बाद पहली बार करूर पहुंचे। उन्होंने करूर के एटलस ग्राउंड में भगदड़ में जान गंवाने वालों 41 लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे।

विजय ने जनसभा में कहा- 2025 का करूर की घटना मेरे जीवन का सबसे बड़ा दर्द है।। उन्होंने कहा- पुलिस भीड़ को संभालने में नाकाम रही लेकिन तत्कालीन DMK सरकार ने लोगों की मौत के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की।

मृतकों की याद में स्मारक बनाने का ऐलान

विजय ने हादसे में जान गंवाने वालों की याद में करूर में TVK की ओर से स्मारक बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह स्मारक इसलिए बनाया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस घटना को याद रखें और भविष्य में ऐसी त्रासदियों का राजनीतिक इस्तेमाल न हो। विजय ने DMK पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने पिछली सरकार पर भ्रष्टाचार और राजनीतिक बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाया और लोगों से आगामी चुनाव में DMK को हराने की अपील की।

करूर में 27 सितंबर 2025 को TVK की पहली चुनावी रैली में भगदड़ मच गई थी। इसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। इस साल विधानसभा चुनाव में TVK पहली बार चुनाव लड़ने के बावजूद सबसे बड़ी पार्टी बनी। गठबंधन के समर्थन से पार्टी ने सरकार बनाई और विजय मुख्यमंत्री बने।

- हादसे को याद करते हुए विजय भावुक हो गए। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा– इस सबका जिम्मेदार कौन है? आदेश किसने दिया? क्या इतनी बड़ी भीड़ के लिए पर्याप्त पुलिस व्यवस्था की गई थी?
- मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका 'पीपुल्स मीट' कार्यक्रम लोगों से सीधे मिलकर उनकी समस्याएं जानने के लिए शुरू किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पेरंबलूर में पुलिस ने भीड़ ज्यादा होने के कारण कार्यक्रम रद्द करने की सलाह दी थी, लेकिन करूर में भारी भीड़ के बावजूद ऐसी कोई चेतावनी नहीं दी गई।
- विजय ने कहा– नामक्कल की सभा खत्म होने के बाद जब हम करूर आ रहे थे, तब करूर पुलिस हमें अलर्ट कर सकती थी। अगर उन्हें लगा कि भीड़ संभालना मुश्किल है तो वे कार्यक्रम रद्द कर सकते थे। उन्हें पूरा अधिकार था। लेकिन वे खुद हमें कार्यक्रम स्थल तक लेकर गए।

> इंसान जिंदगी में कितनी भी ऊंचाई हासिल कर ले, लेकिन दिल के कुछ दर्द और जख्म कभी नहीं भूल सकता।
> -विजय सीएम, तमिलनाडु

निर्देश : गडकरी बोले-कंपनियों को सरकार का आदेश ■ माना- इससे माइलेज घटा

ई20 पेट्रोल से गाड़ी खराब तो पुर्जे मुफ्त बदलें : गडकरी

गडकरी ने कहा कि सर्विसिंग के लिए जाने वाली पुरानी कारों में पहले वॉशर्स मेटल (धातु) के बने होते थे, जबकि अब ये रबर के बनाए जा रहे हैं। हमने कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सर्विसिंग के दौरान ग्राहकों से बिना कोई एक्स्ट्रा चार्ज लिए इन वॉशर्स को बदला जाए।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 20% एथेनॉल मिक्स पेट्रोल से गाड़ी खराब होने पर कंपनियां फ्री में पार्ट्स बदलेंगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार ने कंपनियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे E20 फ्यूल से प्रभावित पुरानी गाड़ियों (2023 से पहले की) के पार्ट्स को बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के बदलें।

एथेनॉल का ऑक्टेन नंबर हाई होता है और इसमें एंटी-नॉकिंग प्रॉपर्टीज यानी इंजन में आवाज न होने देने की क्षमता बेहतर होती है।

सोशल मीडिया पर चल रही खबरें मनगढ़ंत और झूठी

गडकरी ने एथेनॉल से गाड़ियां खराब होने के दावों को सिरे से नकार दिया। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, ₹मुझे एक भी ऐसी कार दिखाएं जो E20 फ्यूल की वजह से खराब हुई हो या जिसे कोई नुकसान पहुंचा हो। सोशल मीडिया पर जो कुछ भी चलाया जा रहा है, वह एक सोची-समझी रणनीति के तहत तैयार किया गया झूठा नैरेटिव है। अब तक ऐसी कोई भी कार नहीं मिली है, जो इस E20 पेट्रोल के कारण बंद पड़ी हो। उन्होंने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि E20 फ्यूल से सोशल मीडिया पर गाड़ियों के खराब होने या नुकसान की खबरें गलत हैं और यह एक झूठा नैरेटिव है। हालांकि, उन्होंने पुरानी गाड़ियों का माइलेज कम होने की बात मानी है।

मैं 2004 से इसे प्रमोट कर रहा हूं। कम माइलेज की वजहः E20 पेट्रोल से माइलेज थोड़ा कम होता है, क्योंकि पेट्रोल के मुकाबले एथेनॉल की कैलोरिफिक वैल्यू (यानी ऊर्जा क्षमता) कम होती है। >> (शेष पेज 06 पर)

थप्पड़ मारने वाले मेरठ एसएसपी बोले-बाहरी लोगों ने माहौल बिगाड़ा

मेरठ। हमने प्रदर्शनकारियों को करीब 4 घंटे तक समझाया। बार-बार कहा कि पीड़ित परिवार अपनी बात अधिकारियों के सामने रखे। लेकिन, कुछ बाहरी लोग माहौल बिगाड़ने, सड़क जाम करने और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने पर अड़े रहे। जब सभी प्रयास फेल हो गए तो बल प्रयोग करना पड़ा। कई बाहरी प्रदर्शनकारियों पर आपराधिक केस है, सबकी क्राइम हिस्ट्री खंगाल रहे हैं।' यह बात मेरठ के SSP अविनाश पांडेय ने बुधवार को हुए बवाल पर दैनिक भास्कर से कहीं। उन्होंने कहा कि पुलिस अब भी पीड़ित परिवार के साथ है। लेकिन, कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी को इजाजत नहीं दी जाएगी।

दरअसल, दलित छात्रा ललिता गौतम की लाश 17 मई को गन्ने के खेत में मिली थी। इसके बाद परिवार के लोग और कुछ संगठन के लोगों ने चक्काजाम कर दिया था।

अल्कोहल वाली दवा बिना प्रिस्क्रिप्शन नहीं मिलेगी

मेडिकल स्टोर्स को 3 साल का रिकॉर्ड रखना होगा

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। आम लोगों के बीच दवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर स्पष्ट किया है कि अब 12 प्रतिशत से अधिक एथिल अल्कोहल युक्त दवाओं की बिक्री बिना डॉक्टर के पर्चे के नहीं की जा सकेगी।

मंत्रालय के अनुसार, ऐसी दवाएं अब ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) श्रेणी में उपलब्ध नहीं होंगी। इनकी बिक्री केवल पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनर द्वारा जारी वैध प्रिस्क्रिप्शन के आधार पर ही की जाएगी।

- कफ सिरप और टॉनिक पर असर

इस फैसले का उद्देश्य अधिक मात्रा में अल्कोहल युक्त दवाओं के अनियंत्रित उपयोग और संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाना है। नई व्यवस्था के तहत फार्मासिस्ट और दवा विक्रेताओं को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित सीमा से अधिक अल्कोहल वाली दवाएं केवल वैध चिकित्सकीय पर्चे पर ही उपलब्ध कराई जाएं।

मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरुप पंचायती राज विभाग प्रारम्भ करेगा मेरी पंचायतः हरित पंचायत अभियान

ग्राम सभाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण

12 जुलाई से प्रारम्भ होगा वृहद वृक्षारोपण अभियान-2026, प्रदेश की 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में लगाए जाएंगे 1.42 करोड़ पौधे

आयोजन

- ग्राम सभाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं सतत विकास को मिलेगा जनआंदोलन का स्वरुप -माननीय मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में 12 जुलाई, 2026 से वृहद वृक्षारोपण अभियान-2026 का शुभारम्भ किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत प्रदेश की 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में 1.42 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी मंशा के अनुरुप पंचायती राज विभाग द्वारा 12 जुलाई से प्रदेशव्यापी मेरी पंचायतः हरित पंचायत अभियान प्रारम्भ किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को केवल वृक्षारोपण तक सीमित न रखते हुए पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्वच्छता तथा सतत विकास का सशक्त केंद्र बनाना है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को ग्राम पंचायतों के विकास एजेंडा का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा। ग्राम सभाओं में स्थानीय स्तर पर चारागाहों, तालाबों, अमृत सरोवरों, वेटलैंड क्षेत्रों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों का चिन्हांकन करते हुए व्यापक वृक्षारोपण की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। साथ ही ग्राम पंचायत विकास योजना में हरित विकास से संबंधित गतिविधियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। मेरी पंचायतः हरित पंचायत अभियान केवल वृक्षारोपण कार्यक्रम नहीं है, बल्कि ग्राम पंचायतों में हरित एवं सतत विकास की व्यापक अवधारणा पर आधारित अभियान है।

पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नर्सरियों का चिन्हांकन

अभियान के तहत पंचायत भवनों, विद्यालयों, सामुदायिक परिसरों, सड़क किनारों, तालाबों, अमृत सरोवरों, चारागाहों तथा अन्य उपलब्ध सार्वजनिक भूमि पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, सहजन एवं विभिन्न फलदार प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जाएगा। पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नर्सरियों का चिन्हांकन किया जाएगा तथा रोपित पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड, नियमित सिंचाई एवं उनकी जीवित रहने की स्थिति का सतत अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाएगा।

> अभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम जैसे जनभागीदारी आधारित अभियानों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। ग्राम प्रधानों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, महिला समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता से वृक्षारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया जाएगा। साथ ही रोपित पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण को सामुदायिक उत्तरदायित्व के रूप में विकसित किया जाएगा।

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट भंग हो एससी की निगरानी में हो जांच : दीपेंद्र हुड्डा

राजीव गांधी ने अयोध्या में मंदिर का ताला खुलवाया था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को लखनऊ में केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर तीखा हमला बोला। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरियाणा से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच, ट्रस्ट को भंग करने और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। अजय राय ने आरोप लगाया कि भगवान राम के मंदिर में योजनाबद्ध तरीके से लूट हुई है। इस पूरी साजिश के तार प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राम मंदिर निर्माण का राजनीतिक श्रेय लिया था, इसलिए अब जवाबदेही से बच नहीं सकती। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस भगवान राम और सभी धर्मों की आस्था का सम्मान करती है। उन्होंने दावा किया कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री और वीर बहादुर सिंह के मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस सरकार के दौरान राम मंदिर का ताला खुला था और पूजा-अर्चना की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि जब मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा हुई तो भाजपा ने उसका राजनीतिक लाभ लिया, लेकिन अब कथित चढ़ावा चोरी के मामले में सरकार और प्रधानमंत्री मौन हैं। हुड्डा ने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। ऐसे में यदि मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी हुई है तो पूरे देश को सच्चाई जानने का अधिकार है।

फास्ट न्यूज

स्कॉर्पियो-बाइक को टक्कर मारते हुए खाई में गिरा ट्रक

बख्शी का तालाब। लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम करीब 7 बजे रामसागर मिश्र 100 बेड अस्पताल के पास एक सड़क हादसा हुआ। एक ट्रक ने यू-टर्न ले रही स्कॉर्पियो और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार डिलवरी मैन और उसका एक भाई घायल हो गया। स्कॉर्पियो पिचक गई और टक्कर मारने के बाद ट्रक खाई में चला गया।

फिरोजाबाद से लखनऊ इलाज कराने आया, डॉक्टरों ने अपाहिज किया

लखनऊ। लखनऊ के डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में इलाज के दौरान लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। फिरोजाबाद निवासी एक युवक के पेट में एक ऑपरेशन के दौरान गलत तरीके से हाथ में इंजेक्शन लगा दिया गया।

इससे हाथ में संक्रमण फैल गया, बाद में डॉक्टरों ने हाथ काटकर उसे अपाहिज बना दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत करते हुए दोषियों पर कार्रवाई, मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

एआरटीओ ने दीवार-फर्नीचर में बनवाई थीं गुप्त तिजोरियां

लखनऊ। रिटायर्ड ARTO ललित कुमार के पास अब तक 35 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चला है। विजिलेंस टीम को उसके घर में तिजोरियों में सोना-चांदी-हीरा रखा हुआ मिला है। ये कार्रवाई एक दिन की जांच का नतीजा नहीं है। इसकी शुरुआत 6 साल पहले कानपुर में उनकी तैनाती के दौरान हुई शिकायत से हुई थी।

11 से 14 जुलाई तक होगा डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

शनिवार-रविवार को भी खुलेंगे हेल्प सेंटर

तमसा संकेत, संवाददाता

- संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक) : द्वितीय चरण की काउंसिलिंग का सीट आवंटन परिणाम घोषित
- फ्रीज़ विकल्प वाले अभ्यर्थी समय से कराएं सत्यापन, अन्यथा निरस्त होगी सीट : सचिव संजीव कुमार सिंह

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक) की द्वितीय चरण की काउंसिलिंग का सीट आवंटन परिणाम दिनांक 10 जुलाई, 2026 को घोषित कर दिया गया है। परिषद के सचिव संजीव कुमार मिश्र ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि द्वितीय चरण के सफल अभ्यर्थियों में से Freeze Option का चयन करने वाले अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (अभिलेख सत्यापन) की कार्यवाही दिनांक 11 जुलाई, 2026 से 14 जुलाई, 2026 के मध्य आयोजित की जा रही है।

सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए इस अवधि में आने वाले सभी अवकाश दिवसों, शनिवार और रविवार को भी सभी निर्धारित सहायता केंद्र (Help Center) डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हेतु खुले रहेंगे। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी निर्धारित समय-सीमा के अंदर अपने नजदीकी सहायता केंद्र पर उपस्थित होकर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। सचिव ने बताया किया कि यदि अभ्यर्थी निर्धारित तिथि 14 जुलाई 2026 तक डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन नहीं कराते हैं, तो उनकी आवंटित सीट स्वतः निरस्त हो जाएगी।

गोमतीनगर में एलडीए और नगर निगम के बुलडोजर चले

लखनऊ। लखनऊ के पॉश इलाके गोमतीनगर में सड़क और पटरियों पर कब्जा है। शुक्रवार दोपहर 3 बजे LDA और नगर निगम की संयुक्त टीम बुलडोजर लेकर पहुंच गई। यहां के कब्जों को हटाया जाने लगा। लोगों ने इसका विरोध कर दिया।

कई बार लोग बुलडोजर के सामने आकर खड़े हो गए और कार्रवाई रुकवाने का प्रयास किया। इस दौरान एलडीए के अधिकारियों और नगर निगम की टीम ने समझाने की कोशिश की तो उनके साथ लोगों की तीखी नोकझोंक भी हुई।

विरोध के बावजूद प्रशासनिक टीम ने पुलिस की मौजूदगी में अभियान जारी रखा और सड़क पटरी से अवैध कब्जे हटाए। अधिकारियों का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सार्वजनिक भूमि और सड़क पटरी को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री गोरखपुर से करेंगे शुरुआत, 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर चलेगा अभियान

12 जुलाई को यूपी में 35 करोड़ पौधे लगेंगे

> अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत, नगर निकायों के सभी वार्ड, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, कृषि विज्ञान केंद्र, औद्योगिक इकाइयों, पावर प्लांट, न्यायालय परिसर, रेलवे लाइन, एक्सप्रेसवे, हाईवे और अन्य प्रमुख मार्गों के किनारे पौधरोपण किया जाएगा। स्कूली छात्र-छात्राओं की भागीदारी को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 12 जुलाई को एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर राज्य सरकार वृक्षारोपण महायज्ञ करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के सहजनवा क्षेत्र में लिंक एक्सप्रेसवे के निकट पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत करेंगे।

वन विभाग समेत 26 सरकारी विभागों और आमजन की भागीदारी से यह अभियान प्रदेशभर में चलाया जाएगा। इसकी जानकारी शुक्रवार को वन मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पर्यावरण, वन, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना ने दी।

सरकार इस अभियान के तहत समृद्धि वन, समरस वन, कपि वन, महर्षि चरक औषधि वन और ऊर्जा वन विकसित करेगी। वहीं मथुरा में 36 पौराणिक वनों के पुनर्जीवन के लिए इको रेस्टोरेशन कार्य कराया जाएगा। गरीब और वंचित परिवारों की पोषण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सहजन और आम के पौधों का वितरण और रोपण भी किया जाएगा।

प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे के दोनों ओर खाली पड़ी भूमि पर पौधरोपण होगा। प्रयागराज से मेरठ तक बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर 500 हेक्टेयर क्षेत्र में करीब 5.5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। अभियान में पीपल, बरगद, पाकड़, गूलर, नीम, शीशम, आम, जामुन, महुआ, इमली, सहजन, गुलमोहर और जकरांडा सहित स्थानीय जलवायु के अनुरूप विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे।

'एक पेड़ मां के नाम' बनेगा अभियान का आधार

राज्य मंत्री ने बताया कि इस वर्ष का पूरा अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर आधारित होगा। लगाए जाने वाले सभी पौधे माताओं के सम्मान और उनकी स्मृति को समर्पित होंगे। सरकार का उद्देश्य वृक्षारोपण को जन आंदोलन का स्वरूप देना है। इसके लिए सरकारी कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, आईएमए, महिला एवं युवा संगठनों, व्यापार मंडलों और किसान उत्पादक संगठनों को अभियान से जोड़ा गया है।

मंत्री राकेश सचान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से तैयारियों की समीक्षा

वृक्षारोपण महायज्ञ : 2026 में रेशम विभाग रोपेगा 14 लाख पौधे

योगी सरकार के हरित संकल्प को देगा गति रेशम विभाग, 190 ग्राम पंचायतों, 305 स्थलों पर होगा पौधरोपण : मंत्री राकेश सचान

तमसा संकेत, संवाददाता

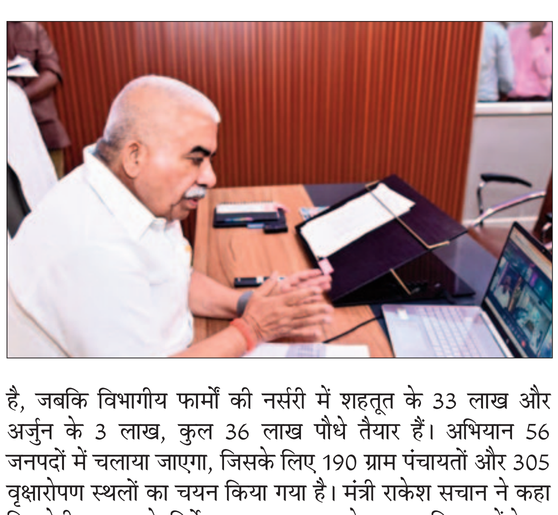

कानपुर देहात/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 12 जुलाई को आयोजित होने वाले 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' में रेशम विभाग 14 लाख पौधरोपण कर हरित उत्तर प्रदेश की नींव को और मजबूत करेगा। प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा, वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने शुक्रवार को नगर पालिका परिषद सभा कक्ष पुखरावाँ कानपुर देहात से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 12 जुलाई को वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत रेशम विभाग की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि रेशम विभाग का वृक्षारोपण लक्ष्य 14 लाख पौधों का है, जबकि विभागीय फार्मों की नर्सरी में शहतूत के 33 लाख और अर्जुन के 3 लाख, कुल 36 लाख पौधे तैयार हैं। अभियान 56 जनपदों में चलाया जाएगा, जिसके लिए 190 ग्राम पंचायतों और 305 वृक्षारोपण स्थलों का चयन किया गया है। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे इस महाभियान में रेशम विभाग की भूमिका अहम है, क्योंकि वन विभाग के साथ-साथ हमारा विभाग भी हरित आवरण बढ़ाने में लगातार योगदान दे रहा है।

बैठक में आजमगढ़ के किसान राकेश पांडेय ने बताया कि उन्होंने पहले से 10 बीघा में शहतूत लगा रखा है और इस बार चार बीघा जमीन पर 20,000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि मैं विदेश से पढ़कर आया हूँ। पहले साल में ही 10 बीघा में शहतूत लगा चुके हैं, अब विभाग से 20,000 पौधे और मिल रहे हैं। इस पर मंत्री सचान ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप विदेश से लौटकर खेती कर रहे हैं, यह अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा है। विभाग पूरी मदद करेगा। गांव के और लोगों को भी जोड़िए।

190 चयनित ग्राम पंचायतों में किसानों को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए

मंत्री राकेश सचान ने निर्देश दिए कि 190 चयनित ग्राम पंचायतों में किसानों को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि शहतूत की कटिंग से पौधे तैयार कर अगले वर्ष के लिए अभी से नर्सरी में लगाए जाएं, ताकि उत्पादन बढ़े। "शहतूत का पेड़ मल्टीपर्पज है – फल भी देता है, जलौनी लकड़ी भी और रेशम पालन में तो इसकी भूमिका अहम है।

योगी सरकार ने कौशल को बनाया रोजगार का आधार

तमसा संकेत, संवाददाता

- राजकीय-निजी आईटीआई व टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 211 संस्थानों में प्रवेश का मौका : मंत्री कपिल देव अग्रवाल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'हर हाथ को हुनर, हर हुनर को रोजगार' के संकल्प को गति देते हुए प्रदेश के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रशिक्षण सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 जुलाई 2026 से शुरू हो रही है। अभ्यर्थी 04 अगस्त 2026 की रात्रि 12 बजे तक वेबसाइट http://www.scvt-up.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि योगी सरकार ने तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की मांग के अनुरूप आधुनिक बनाया है। इस सत्र में अभ्यर्थी राजकीय एवं निजी आईटीआई में संचालित सभी व्यवसायों के साथ-साथ टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 211 प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार की गारंटी बन रही हैं। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने युवाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में आवेदन कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के सपने को साकार करने में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में आईटीआई से निकले लाखों युवा आज सम्मानजनक रोजगार पा रहे हैं।

मांग : राष्ट्र को प्रधानमंत्री से चुप्पी नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण और ठोस कार्रवाई की अपेक्षाः संजय सिंह

मोदी जी, क्या इस देश में ईसाई धर्म के लोगों को रहने का हक़ नही : संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

> संजय सिंह ने स्पष्ट किया है कि ये घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, बल्कि भारत के धर्मनिरपेक्ष ढांचे और संवैधानिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से इन हमलों की सार्वजनिक निंदा करने और दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने देश के विभिन्न राज्यों में ईसाई समुदाय और उनके प्रार्थना स्थलों पर हो रहे संगठित हमलों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कड़ा पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में हुई हिंसा की हालिया घटनाओं का विस्तार से ब्यौरा देते हुए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है।

संजय सिंह ने पत्र में उत्तर प्रदेश के रायबरेली और पश्चिम बंगाल के सोनारपुर की घटनाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में चर्चों पर हमले और पादरियों के साथ मारपीट की घटनाएं एक खतरनाक पैटर्न का हिस्सा बन गई हैं। वहीं, 'डबल इंजन' सरकार के शासन में भी नफरत फैलाने वाले संगठन बेखौफ होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई मामलों में पुलिस दोषियों को पकड़ने के बजाय पीड़ितों पर ही धर्मांतरण के झूठे आरोप लगाकर मामले दर्ज कर रही है, जो न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

आप सांसद ने प्रधानमंत्री से पांच प्रमुख मांगें की हैं, जिनमें हमलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और धर्मांतरण कानूनों के दुरुपयोग पर रोक लगाना शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म को मानने और उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता देते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाए, तो देश का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप खतरे में पड़ जाएगा।

प्रधानमंत्री की चुप्पी और सरकार की जवाबदेही पर गंभीर सवाल

सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए अपने बयान में पूछा कि आखिर इन हिंसक घटनाओं पर सरकार खामोश क्यों है? उन्होंने कहा, ₹यू पी, हरियाणा, मध्य प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और अब वेस्ट बंगाल—हर जगह ईसाई समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसक हमले हो रहे हैं, चर्चों को तोड़ा जा रहा है। आप कुछ बोलते क्यों नहीं? क्या इन घटनाओं में शामिल गुंडों को आपका मूक समर्थन प्राप्त है?₹ उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनका संवैधानिक दायित्व हर नागरिक की सुरक्षा करना है, चाहे वह किसी भी धर्म का हो।

उत्तर प्रदेश बना मंडियों में जियो टैगिंग लागू करने वाला देश का पहला राज्य

मिसाल

तमसा संकेत, संवाददाता

> उत्तर प्रदेश मंडी परिषद की यह पहल डिजिटल कृषि विपणन, सुशासन एवं पारदर्शी मंडी व्यवस्था की दिशा में एक सफल एवं नवाचारी कदम है, जो भविष्य में अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल सिद्ध हो सकती है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंडी परिषद ने मंडियों में जियो टैगिंग आधारित गेट पास एवं प्री-अराइवल प्रणाली लागू कर देश में एक नई मिसाल कायम की है। इस अभिनव व्यवस्था को लागू करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। नई व्यवस्था के तहत अब वाहनों की मंडी में प्रवेश (आगमन) एवं मंडी से निकास (प्रस्थान) दोनों समय जियो टैगिंग की जा रही है। इससे मंडी व्यवस्था अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय एवं तकनीक-सक्षम बनेगी तथा अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।

व्यवस्था के पहले ही दिन प्रदेश की विभिन्न मंडियों में 4,500 से अधिक गेट पास सफलतापूर्वक जियो-टैग किए गए, जो इस पहल की सकारात्मक शुरुआत का प्रमाण है। व्यापारियों एवं मंडी अधिकारियों से भी उत्साहजनक सहयोग प्राप्त हुआ है। विशेष रूप से जेनुइन (वास्तविक) व्यापारियों ने इस व्यवस्था का स्वागत करते हुए इसे पारदर्शी व्यापार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

प्रारंभिक कुछ दिनों में सभी के सहयोग से यह व्यवस्था पूर्णतः सुचारु एवं सहज हो जाएगी।

प्रशासन ने अवैध कब्जा हटाया ■ 100 करोड़ से अधिक कीमत की जमीन पर बनेगा वेंडिंग जोन

37 बीघा जमीन पर चला बुलडोजर

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर । सीतापुर में शहर के सिविल लाइन क्षेत्र में स्थित मिशनरी की 37 बीघा भूमि पर शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ बुलडोजरों की मदद से कब्जा हटाने का अभियान चलाया। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में की गई इस कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

एसडीएम का कहना है कि खाली कराई गई भूमि को कब्जे में लेकर भविष्य में वेंडिंग ज़ोन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी अनुमानित कीमत करीब 100 करोड़ से अधिक है। प्रशासन के अनुसार कुल 43 बीघा भूमि जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय के आदेश पर 24 जून को राज्य सरकार में निहित की जा चुकी है। इनमें से लगभग 7 बीघा भूमि पर चर्च और मिशन स्कूल संचालित हो रहे हैं, जिसे छोड़कर शेष 37 बीघा भूमि पर कब्जा हटाने की कार्रवाई की गई।

बताया जाता है कि वर्ष 1906 में यह भूमि मिशन बंगला स्थापित करने के उद्देश्य से दी गई थी, लेकिन निर्धारित शर्तों के अनुरूप उपयोग न होने और अन्य कारणों के चलते प्रशासन ने इसे अवैध कब्जा मानते हुए कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की।

मामले में 30 अप्रैल को संबंधित पक्ष को नोटिस जारी की गई थी। इसके बाद न्यायालय में सुनवाई हुई और 24 जून को भूमि खाली करने के लिए अंतिम नोटिस चस्पा किया गया था। निर्धारित 15 दिन की अवधि पूरी होने के बाद प्रशासन ने शुक्रवार को बुलडोजर चलाकर कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी।

कार्रवाई के दौरान राजस्व, पुलिस और नगर प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। एसडीएम सदर डॉ जनार्दन का कहना है कि पूरी कार्रवाई न्यायालय के आदेश और विधिक प्रक्रिया के अनुरूप की गई है।

खाली कराई गई भूमि को अब प्रशासन अपने कब्जे में लेकर वेंडिंग ज़ोन विकसित करने की दिशा में आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा। पूरे अभियान के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा।

नवोदय विद्यालय कक्षा 6 प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू

हरदोई के छात्रों को 31 जुलाई 2026 तक आवेदन का अवसर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। पिहानी कस्बा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय (इटारा, पिहानी, हरदोई) ने नए शैक्षिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विद्यालय के प्राचार्य निर्भय कुमार ने शुक्रवार दोपहर 12:59 बजे एक प्रेस नोट जारी कर कक्षा 6 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म लाइव होने की जानकारी दी है।

यह ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए देश के बेहतरीन, मुफ्त और अत्याधुनिक आवासीय शिक्षा संस्थान में पढ़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह पहल छात्रों के सुनहरे भविष्य को गढ़ने में सहायक होगी।

प्राचार्य निर्भय कुमार ने स्पष्ट किया कि इस प्रवेश परीक्षा में केवल वही बच्चे भाग ले सकते हैं जो वर्तमान में सत्र 2027-28 के तहत

कक्षा 05 में पढ़ाई कर रहे हैं।

आवेदन करने के लिए कुछ अनिवार्य शर्तें भी निर्धारित की गई हैं। पहली शर्त यह है कि छात्र या छात्रा को अनिवार्य रूप से हरदोई का मूल निवासी होना चाहिए। दूसरी शर्त के अनुसार, आवेदन करने वाले बच्चे ने अपनी कक्षा 3 और कक्षा 4 की पढ़ाई किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय से बिना किसी अंतराल के लगातार पास की हो।

ऑनलाइन पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। प्राचार्य ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि अंतिम समय की भीड़भाड़ से बचने के लिए समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें।

अभिभावकों और छात्रों की सुविधा के लिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाया गया है। छात्र-छात्राएं नवोदय विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट navodaya.gov.in पर दिए गए लिंक पर जाकर सीधे फॉर्म भर सकते हैं।

इसके लिए किसी कार्यालय के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं है। लोग अपने स्मार्टफोन, लैपटॉप या डेस्कटॉप का उपयोग करके घर बैठे ही फॉर्म भर सकते हैं। यदि घर पर कोई साधन उपलब्ध न हो, तो सीएससी (CSC) या साइबर कैफे की मदद से भी पंजीकरण कराया जा सकता है।

फास्ट न्यूज

आगरा के ताजगंज में 22 भवन सील

आगरा। आगरा में अवैध निर्माणों पर आगरा विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को बड़ा अभियान चलाया। ताजगंज-प्रथम वार्ड में 22 निर्माणों को सील किया गया। साथ ही एक अनाधिकृत कॉलोनी पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार नौबरी रोड स्थित प्राची गार्डन में संजय अग्रवाल द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के 22 भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। सूचना मिलने पर प्रवर्तन टीम मौके पर पहुंची और सभी 22 भवनों को सील बंद कर दिया गया।

दोपहर बाद बदला मौसम, हुई बारिश

आगरा में शुक्रवार सुबह मौसम सुहावना बना हुआ है। सुबह से धूप खिली हुई थी और आसमान साफ था। हालांकि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदला और एक दो दौर की बारिश हुई। लेकिन वापस धूप निकलने से उमस शाम के समय में बढ़ गई।

दिन भर बादलों की आवाजाही बढ़ने के साथ शहर के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। आगरा में मानसून की सक्रियता का असर मौसम पर लगातार बना हुआ है। अगर पिछले दिनों हुई बारिश की वजह से उमस से लोगों को राहत मिली थी। लेकिन धूप निकलने से उमस बढ़ गई।

48 घंटे बाद भी महिला लापता

आगरा । आगरा के सुभाष बाजार हादसे को 48 घंटे गुजर चुके हैं। इसके बाद भी हादसे में लापता हुई 60 वर्षीय महिला गंगा देवी का पता नहीं चला है। हादसे के बाद से ही बाजार बंद है। महिला की तलाश में नगर निगम ने अब नाले में जेसीबी मशीन उतार दी है। फायर ब्रिगेड की टीम को भी लगाया गया है। वहीं, 48 घंटे से चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद परिजनों का धैर्य भी जवाब दे रहा है। कई बार गुस्से का उबाल आया लेकिन पुलिस के समझाने पर समझ भी गए।

हरदोई में गैंगरेप का मामला झूठा ■ अकाउंट होल्डर पर एफआईआर

पुलिस ने भ्रामक पोस्ट को खारिज कर की कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। एक नाबालिग लड़की के साथ 32 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट को हरदोई पुलिस ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जनपद में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है और प्रसारित सूचना असत्य, तथ्यहीन एवं भ्रामक है। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) सुबोध गौतम ने गुरुवार देर रात 1 बजे प्रेस नोट जारी कर यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर यह सनसनी-खेज पोस्ट तेजी से फैल रही थी, जिसमें हरदोई में सामूहिक दुष्कर्म का दावा किया जा रहा था। पुलिस ने इस दावे को सिरे से नकारते हुए जनता से ऐसी भ्रामक खबरों पर

विश्वास न करने की अपील की है।

अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) सुबोध गौतम के अनुसार, जिले का माहौल खराब करने और भ्रामक सूचना का प्रचार-प्रसार करने वाले उपद्रवी तत्वों के विरुद्ध पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में बिलग्राम कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 353(2) के तहत मामला पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

हरदोई पुलिस ने आम जनता से ऐसी किसी भी झूठी और भ्रामक पोस्ट को शेयर या फॉरवर्ड न करने की अपील की है, अन्यथा संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

यह पूरा मामला राजस्थान की एक संवेदनशील आपराधिक वारदात को हरदोई से जोड़कर सांप्रदायिक और क्षेत्रीय वैमनस्यता फैलाने की एक सोची-समझी साजिश थी। इसका उद्देश्य दो पक्षों और जातियों के बीच तनाव पैदा करना था।

बिलग्राम पुलिस टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि रुद्र यादव नामक आरोपी ने सोशल मीडिया पर राजस्थान की घटना को हरदोई का बताकर पोस्ट किया था।

करंट लगने से महिला की मौत

पोछा लगाते समय फर्राटा पंखे से उतरा करंट ■ बचाने गए बेटे को भी लगा झटका

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। लोनार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निस्यौली गोपार में शुक्रवार सुबह एक विवाहिता की करंट लगने से मौत हो गई। सबीना (40) घर में पोछा लगा रही थीं तभी फर्राटा पंखे से करंट उतर आया। गंभीर रूप से झुलसी सबीना को तुरंत निजी अस्पताल फिर मेडिकल ले जाया गया, जहां सुबह 10:50 बजे मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

निस्यौली गोपार निवासी छोटे भैया पेशे से कपड़ा व्यापारी हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 9:15 बजे उनकी पत्नी सबीना कमरे में पोछा लगा रही थीं। उस समय छोटे भैया अपने तीनों बेटों साहिल (18), खालिद (17) और शाहिद (15) के साथ खेत पर धान की रोपाई करने गए हुए थे।

लगभग 15 मिनट बाद, सुबह 9:30 बजे जब परिवार के सदस्य काम निपटाकर घर लौटे तो बड़ा बेटा साहिल कमरे में गया। उसने देखा कि उसकी मां सबीना फर्राटा पंखे के ऊपर गिरी हुई थीं।

साहिल ने जैसे ही अपनी मां को उठाने की कोशिश की, पंखे से आ रहे तेज करंट का झटका उसे भी लगा। साहिल के चिल्लाने पर अन्य परिजन मौके पर पहुंचे और सूखी लकड़ी की मदद से सबीना को पंखे से अलग किया। तब तक सबीना करंट से बुरी तरह झुलस चुकी थीं।

परिजन तुरंत सबीना को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत के कारण उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव देखकर सबीना की मां तमन्ना बदहवास हो गईं।शहर कोतवाल संजय त्यागी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।

अरवल पुलिस ने इंजन चोर दबोचा

चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया, इंजन बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के अरवल थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का एक इंजन भी बरामद किया। पुलिस के अनुसार, यह मामला 16 मई 2026 को दर्ज किया गया था।

वादी बाबूल पुत्र चेतराम निवासी ग्राम हन्नामऊ, थाना अरवल ने अज्ञात तीन आरोपियों के खिलाफ इंजन चोरी की रिपोर्ट लिखाई थी। इस संबंध में थाना अरवल में मुकदमा अपराध संख्या 119/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। विवेचना के दौरान इसमें धारा 317(2) बीएनएस की भी बढ़ोतरी की गई।

जांच के दौरान, पुलिस ने आरोपी

विवेक पुत्र रामवक्ष निवासी ग्राम जुनकहिया, थाना कोतवाली नगर, जनपद कन्नौज को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी हुआ इंजन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इस गिरफ्तारी अभियान में उपनि-रीक्षक अजय कुमार सिंह, कांस्टेबल पवन कुमार, कांस्टेबल मोनू कुमार और कांस्टेबल भानु प्रताप सिंह सहित थाना अरवल की पुलिस टीम शामिल थी।

एफएसडीए कार्रवाई में 409 किलो मसाले सीज

आगरा में 8 मसाला नमूने जांच को भेजे, रिपोर्ट के बाद होगी सख्त कार्रवाई

रिपोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को मसाला कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई की। दयालबाग स्थित एक मसाला कंपनी पर छापेमारी के दौरान 409.9 किलो मसाले सीज किए गए, जबकि कुल आठ नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

एफएसडीए की टीम ने दयालबाग के खासपुर स्थित सूरजी स्पाइसेज का निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान धनिया पाउडर, साबुत जीरा, हल्दी पाउडर, सेंधा नमक, स्नैक्स मसाला, पिज्जा ओरेगानो और सलाद मसाला समेत सात खाद्य नमूने लिए गए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने 300 किलो सेंधा नमक, 53.9 किलो हल्दी पाउडर और 56 किलो धनिया पाउडर को सीज कर दिया। कुल 409.9 किलो जब्त मसालों की अनुमानित कीमत करीब 48,980 रुपये बताई गई है।

एफएसडीए टीम ने खेरागढ़ तहसील के जगनेर स्थित एस.के. गोयल सेल्स पर भी कार्रवाई की। यहां से गरम मसाले का एक नमूना संग्रहित किया गया।

इस तरह पूरे अभियान के दौरान कुल आठ नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

एफएसडीए अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नमूनों की गुणवत्ता और मानकों की जांच की जाएगी। यदि नमूने खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए तो संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिलावट के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

विभाग ने कहा कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। खाद्य कारोबारियों से भी अपील की गई है कि वे केवल मानक अनुरूप उत्पादों का निर्माण और बिक्री करें तथा खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

- सूरजी स्पाइसेज पर छापेमारी
- जगनेर से भी लिया गया नमूना

जेई के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति

आगरा के सुभाष मार्केट हादसे के बाद नगर निगम ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने मामले में प्रभारी मुख्य अभियंता अरविंद श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जबकि क्षेत्रीय अवर अभियंता (जेई) ललित अग्रवाल के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

समझौता : दूल्हा-दुल्हन ने थाने में किया समझौता, फिर रस्में पूरी हुईं

हरदोई में पल्लू खींचने पर शादी रुकी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के अतरौली थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान दुल्हन का पल्लू खींचने को लेकर विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि सात फेरों के बीच ही शादी रोकनी पड़ी और दूल्हा-दुल्हन समेत दोनों पक्ष थाने पहुंच गए। बाद में पुलिस की मौजूदगी में समझौता होने पर शेष रस्में पूरी की गईं।

यह घटना नेवादा विजय गांव की है, जहां राजकुमार की बेटी नन्ही की शादी सीतापुर के रामपुर कला निवासी दिनेश से तय हुई थी। बुधवार रात करीब 9 बजे शादी की रस्में चल रही थीं। दूल्हा-दुल्हन पांच फेरे ले चुके थे और अंतिम दो फेरे बाकी थे। इसी दौरान दुल्हन के देवर मुकेश ने कथित तौर पर

हंसी-मजाक में दुल्हन का पल्लू खींच दिया। दुल्हन के चाचा पिंकू ने इस पर आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई।

मामूली सी बात पर शुरू हुआ यह विवाद तब उग्र हो गया जब शादी में मौजूद कुछ नशे में धुत लोग इसमें कूद पड़े। देखते ही देखते बात मारपीट तक पहुंच गई और लाठी-डंडे व लात-घूंसे चलने लगे। इस झड़प में दूल्हे दिनेश के सिर में चोट आई, जबकि दुल्हन का चचेरा भाई रामू भी घायल हो गया। मारपीट के बाद शादी की रस्में बीच में ही रोक दी गईं।

विदाई से पहले ही दोनों पक्ष सीधे अतरौली थाने पहुंच गए। गुरुवार दोपहर तक दोनों पक्ष थाने में ही मौजूद थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रधान पति रामलखन ने हस्तक्षेप किया और थाने में ही एक पंचायत बुलाई गई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया गया।

समझौते के तहत, दूल्हे के पिता पेरू ने लड़की के चचेरे भाई रामू को इलाज के लिए 4500 रुपये दिए। इसके बाद मामला शांत हुआ। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से समझौता कर लिया है।

विवाद शांत होने के बाद, गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे बची हुई दो भांवरें पूरी कराई गईं। दूल्हे दिनेश ने दुल्हन नन्ही की मांग में सिंदूर भरा और आखिरकार दोनों परिवारों ने खुशी-खुशी दुल्हन को विदा किया।

हरदोई में 20 लाख की धोखाधड़ी

हरदोई। हरदोई में कोतवाली देहात क्षेत्र के नानकगंज झाला गांव में 'बीसी' (कमेटी) के नाम पर 20 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है।

आरोप है कि एक व्यक्ति ग्रामीणों के पैसे लेकर परिवार सहित फरार हो गया। पीड़ित ग्रामीणों की शिकायत पर कोतवाली देहात पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह रिपोर्ट बृहस्पतिवार को दोपहर 3:28 बजे दर्ज की गई है। विवाद के दौरान आरोपी ने ग्रामीणों के व्हाट्सएप पर एक लिखित 'कबूलीनामा' भी भेजा था, फिर आरोपी रुपये देने से इनकार करने लगा। नानकगंज झाला निवासी सुशील गुप्ता (पुत्र रामसेवक गुप्ता) ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने गांव के सुशील गुप्ता (पुत्र रामशरण गुप्ता), रोहित गुप्ता और इस्तियाक के साथ मिलकर गांव में 'बीसी' (कमेटी) शुरू की थी। ग्रामीण अपनी बचत के पैसे मुख्य आयोजक लियाकत अली उर्फ सोनू (पुत्र हिदायत अली) के पास जमा करते थे।

निषादराज बोट सब्सिडी योजना आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

24 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन, विभागीय पोर्टल पर करें रजिस्टर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में निषादराज बोट सब्सिडी योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 जुलाई 2026 तक बढ़ा दी गई है। मत्स्य विभाग के सहायक निदेशक डॉ. मुनीश कुमार ने शुक्रवार को दोपहर 1 बजे प्रेस नोट जारी करके यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सेक्टर की प्रमुख योजनाओं मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना और सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना योजना के तहत 08 जून से 28 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। निषादराज बोट सब्सिडी योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र

लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभागीय पोर्टल को पुनः खोल दिया गया है।

इस अवसर का लाभ नए आवेदक उठा सकते हैं, जो पिछली बार आवेदन करने से चूक गए थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व के वर्षों में जिन आवेदकों के आवेदन किन्हीं कारणों से निरस्त हो गए थे या जो प्रतीक्षा सूची में थे, वे भी इस बार नए सिरे से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.nic.in पर ऑनलाइन किए जा सकते हैं।

योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी, जैसे परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की सूची विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य में नियमों में किसी भी बदलाव की स्थिति में संशोधित प्रावधान ही लागू होंगे।

आवेदक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, हरदोई में व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते हैं। योजना के संबंध में किसी भी प्रकार की पूछताछ या सहायता के लिए मत्स्य निदेशालय के आधिकारिक हेल्पलाइन काउंटर पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सम्पादकीय

बरसात में शहरों का हाल

यह राहत की बात है कि देर से आए मानसून ने पूरे देश को कवर कर लिया। बीते कुछ दिनों में मानसून देश के उन हिस्सों में भी पहुंच गया, जहां उसके पहुंचने को लेकर आशंका उत्पन्न हो गई थी, लेकिन इसी के साथ देश के अनेक शहरों से ऐसी खबरें आना चिंताजनक भी है कि पहली बारिश में ही जल भराव, ट्रैफिक जाम आदि के कारण लोग त्रस्त हुए। यह समझ आता है कि किसी शहर में कम समय में अधिक बरसात हो जाने से लोगों को जल भराव जनित कुछ समस्याओं का सामना करना ही पड़ेगा, लेकिन आखिर इसका क्या मतलब कि कई शहरों में मामूली बरसात ही लोगों के लिए समस्या बन जाए? यह निराशाजनक है कि हर वर्ष बरसात में हमारे छोटे-बड़े शहर तमाम समस्याओं से घिर जाते हैं। गलियों से लेकर प्रमुख मार्गों तक में पानी जमा हो जाने के कारण केवल आवागमन ही बुरी तरह बाधित नहीं होता, बल्कि कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी देखने को मिलती हैं। कई बार इन दुर्घटनाओं में लोगों की जान भी जाती है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जिस बारिश की प्रतीक्षा हो रही होती है, वह मुसीबत का जरिया बन जाती है। इसका मुख्य कारण शहरों का नियोजित ढंग से विकास न करना और विशेष रूप से वर्षा जल निकासी के उचित प्रबंध न होना है। प्रति वर्ष मानसून के आगमन के पहले ऐसी खबरें आती हैं कि स्थानीय निकाय जल भराव से बचने के उपाय करने के साथ नालों की सफाई करने में जुट गए हैं, लेकिन आम तौर पर पहली बारिश ही इन दावों की पोल खोल देती है। यह पोल इसलिए खुलती है, क्योंकि नगर निकाय अपना काम सही तरह नहीं करते। इसके बाद भी वर्षाजनित समस्याओं के लिए नगर निकायों के अधिकारी, पार्षद, मेयर आदि कभी जवाबदेह नहीं ठहराए जाते। जवाबदेही के इस अभाव ने ही हमारे शहरों की सूरत बिगाड़ रखी है। बारिश में शहर और भी अधिक दुर्दशाग्रस्त हो जाते हैं। कहीं सड़कें जलमग्न हो जाती हैं तो कहीं सीवर उफना जाते हैं। बारिश में कई समस्याएं इसलिए भी सिर उठा लेती हैं, क्योंकि सड़कों और नालियों का निर्माण घटिया तरीके से होता है। इसके चलते कई बार सड़कें और यहां तक कि एक्सप्रेसवे तक धंस जाते हैं। जिन शहरों में बारिश से अत्यधिक जल भराव होता है, उन्हें सैकड़ों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, लेकिन वर्षाजनित समस्याओं के स्थायी और ठोस समाधान तब भी नहीं किए जाते। इसका एक बड़ा कारण नगर निकायों का भ्रष्टाचार है। अपने देश की एक बड़ी त्रासदी यह भी है कि सीवेज के साथ ड्रेनेज सिस्टम दोयम दर्जे का है। स्थिति यह है कि शहरों के विस्तार के क्रम में नए विकसित इलाकों में भी जलनिकासी के उचित उपाय नहीं किए जाते। इससे यही लगता है देश में सुनियोजित नगर नियोजन नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई है।

धर्म हमारे साथ रहें

अपने जीवन में जो लोग जीवन के खेल को खेलना सीख जाते है वे सफल हो जाते है और जो लोग खेल को समझ नहीं पाते वे असफल हो जाते है । अतः जीवन के इस खेल में ज्यादातर लोगों कि समस्या यह नहीं है कि वे अपने दोंस्तों और दुश्मनों को पहचानते नहीं, बल्कि समस्या यह है कि वे दुश्मनों को पहचानते हुए भी उन्हें चुन लेते है । ईश्वर (या सकारात्मक शक्तियां) मनुष्य को समय-समय पर कई तरीकों से यह समझाते रहते हैं कि इस खेल को कैसे खेलना है लेकिन यह खेल मनुष्य को ही खेलना पड़ता हैं । वह जब मनुष्य इसमें हारता रहता है और यह भूल जाता है कि इस खेल को कैसे खेलना है तो ईश्वर फिर उसे बताते है कि इस खेल को कैसे खेलना है। आगम में योगक्षेम शब्द आया हैं । योगक्षेम वर्ष के नाम से दो शब्द योग और क्षेम , दो शब्दों का समस्त रूप हैं । यह हमारा आगम का आधार हैं । आगम में यह शब्द योगक्षेम आया हैं । अतः हमको यह मानना चाहिए कि आग्मिक आधार पर योगक्षेम वर्ष का नामकरण हुआ हैं । भगवान् ऋषभ और भगवान् महावीर से जुड़ा हुआ जैन शासन हैं और इस जैन शासन के अन्तर्गत दिगम्बर और श्वेतांबर ये दों धाराएं बह रही हैं । श्वेतांबर धारा में एक आम्नाय तेरापंथ हैं । वह जिसके प्रवर्तक आद्य अनुशास्ता परम पूज्य आचार्य श्री भिक्षु हुए हैं । आचार्य श्री भिक्षु की परंपरा में उनके उत्तराधिकारियों की परंपरा चली । उनके अनंतर उत्तराधिकारी आचार्य श्री भारमल जी स्वामी हुए और आचार्य परंपरा आगे बढ़ी जिसमें अष्टम आचार्य श्री परम स्तवनीय आचार्य श्री कालूगणी का जन्म स्थान लाड़नूं के निकट ही तालछापर हैं । उनके समय में धर्मसंघ का विकास भी हुआ । विशेष बात यह हैं कि उनके द्वारा दीक्षित सुशिष्य मुनि तुलसी और मुनि नथमलजी (टमकोर) हमें आचार्य के रूप में प्राप्त हुए ।

› प्रदीप छाजेड़

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

> पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है।

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- ''युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए।'' यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए। भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' का मंत्र तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से बढ़ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी। रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव बढ़ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्व के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है। भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है। अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है। दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यदि जनसंख्या वृद्धि और विकास के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो विकसित भारत का लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इसलिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनसंख्या स्थिरीकरण, मानव संसाधन विकास और संसाधनों के संतुलित नियोजन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। भारत में जनसंख्या का प्रश्न केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी विषय बन गया है। जातिगत जनगणना और विभिन्न जाति-समुदायों की जनसंख्या को लेकर राजनीतिक दल अक्सर अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति अपनाते दिखाई देते हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण या चुनावी लाभ के लिए किया जाएगा, तो यह राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की भावना के विपरीत होगा। इसके विपरीत, चीन ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप लंबे समय तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया, यद्यपि बाद में बदलती जनसांख्यिकीय चुनौतियों के कारण उसने उस नीति में संशोधन भी किया।

- ललित गर्ग

संविधान सभी ...

बाबूलाल नागा

लोकतंत्र की आत्मा हैं संवैधानिक मूल्य

भारत का संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। यह केवल शासन चलाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज की परिकल्पना है जहां प्रत्येक नागरिक को गरिमा के साथ जीने, समान अवसर प्राप्त करने और बिना किसी भेदभाव के अपने अधिकारों का उपयोग करने का अवसर मिले।

26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान को अंगीकार करते समय डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे लागू करने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो वह भी अच्छा परिणाम नहीं देगा। वहीं यदि संविधान में कमियां हों, लेकिन उसे लागू करने वालों की नीयत और कार्यशैली अच्छी हो, तो वह भी सफल सिद्ध होगा। आज के दौर में यह विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत का प्रत्येक नागरिक संविधान को केवल एक पुस्तक के रूप में न देखे, बल्कि उसे अपने जीवन और समाज का मार्गदर्शक माने। संविधान की मूल भावना सामाजिक, आर्थिक

और राजनीतिक न्याय पर आधारित है। यह धर्म, जाति, भाषा, लिंग या जन्म के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को अस्वीकार करता है। इसके बावजूद आज भी समाज में जातीय भेदभाव, सामाजिक असमानता और अवसरों की विषमता अनेक रूपों में मौजूद है।

संविधान सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण संगठन बनाने और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार देता है। लोकतंत्र की आत्मा असहमति और संवाद में निहित होती है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में विचारों का मतभेद राष्ट्रविरोध नहीं, बल्कि स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान होता है। इसलिए आलोचना और असहमति को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना लोकतांत्रिक संस्कृति की अनिवार्य शर्त है।

संविधान ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भोजन और सम्मानजनक जीवन को सामाजिक न्याय के व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ा है। राज्य का दायित्व है कि वह आर्थिक और सामाजिक असमानताओं को कम करे तथा समाज के कमजोर वर्गों को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराए। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य वंचित वर्गों के लिए आरक्षण जैसी व्यवस्थाएं इसी संवैधानिक सोच का परिणाम हैं।

आज यह भी आवश्यक है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था केवल रोजगार तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों को संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और मूल कर्तव्यों की भी जानकारी दे। जब तक नई पीढ़ी संविधान की भावना को नहीं समझेगी, तब तक लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित होकर रह जाएगा।

संविधान नागरिकों को केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों का भी बोध कराता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना, महिलाओं के सम्मान की रक्षा करना, सामाजिक भेदभाव समाप्त करना, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करना तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इन मूल कर्तव्यों का पालन किए बिना संविधान की भावना को पूर्ण रूप से साकार नहीं किया जा सकता।

आज जब विकास, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय पर निरंतर चर्चा हो रही है, तब यह आवश्यक है कि हमारी नीतियां संविधान के मूल सिद्धांतों के अनुरूप हों। ऐसा विकास, जो समानता, न्याय, मानव गरिमा और सामाजिक समता को मजबूत करे, वही राष्ट्र को वास्तविक अर्थों में आगे ले जा सकता है।

संविधान में निहित मूल्य केवल शासन के लिए नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक हैं। यदि सरकारें, संस्थाएं और नागरिक समान रूप से इन मूल्यों का पालन करें, तभी भारत एक सशक्त, समावेशी, न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सकेगा। संविधान पर विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और यही विश्वास भारत के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव भी है।

औद्योगिक शहर की राह पर अग्रसर है मीरजापुर

उत्तर प्रदेश पारंपरिक रूप से एक कृषि प्रधान राज्य रहा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यहाँ औद्योगिक विकास की एक नई और मजबूत कहानी लिखी जा रही है। भारत की सबसे बड़ी आबादी वाले इस राज्य में विशाल जनशक्ति, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन और एक बड़ा घरेलू बाजार हमेशा से मौजूद था। अब बुनियादी ढांचे और दूरदर्शी नीतियों के समन्वय ने इसे देश के एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र में बदल दिया है। आज राज्य अपने पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकी और विनिर्माण क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

इसी औद्योगिक क्रांति के अंतर्गत हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध मीरजापुर जिला अब औद्योगिक विकास की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार की विकासवादी सोच के चलते राज्य के पिछड़े जिलों में शुमार मीरजापुर की तस्वीर भी बदलने लगी है। जनपद में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने दो नए निजी औद्योगिक पार्कों को विकसित करने की मंजूरी देने के साथ ही बेहद कम ब्याज दरों पर ऋण भी उपलब्ध कराने की संस्तुति दे दी है, जिससे जल्द ही इन औद्योगिक पार्कों का विकास सुनिश्चित हो सकेगा। इन पार्कों में लगने वाली फैक्ट्रियों से जहाँ एक ओर युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में मीरजापुर के योगदान में भी भारी बढ़ोतरी होगी। जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम टांगा में 11.014 एकड़ भूमि पर मेसर्स विंध्य इंडस्ट्रियल प्लेज पार्क द्वारा निजी औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा। इसी तरह मड़िहान के देवरीकलां गांव में 12.031 एकड़ भूमि पर प्रताप चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उद्योगों को लगाने के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। निजी औद्योगिक पार्कों का विकास तेजी से सुनिश्चित किया जा सके, इसके लिए शासन ने मेसर्स विंध्य इंडस्ट्रियल प्लेज पार्क के विकासकर्ताओं को 5,50,70,000 रुपये और प्रताप चेरिटेबल ट्रस्ट के विकासकर्ताओं को 6,01,55,000 रुपये मात्र 1 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर उपलब्ध कराने के लिए ऋण की स्वीकृति भी दे दी है। जल्द ही इन दोनों ही स्थानों पर औद्योगिक पार्कों के विकास का कार्य शुरू हो जाएगा। जिला प्रशासन के अनुसार, टांगा में कुल 21 भूखंड औद्योगिक इकाइयों के लिए तैयार किए जाएंगे, जबकि देवरीकलां में 40 भूखंडों पर औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी। इन पार्कों का विकास पूरी तरह से पर्यावरण संरक्षण के नियमों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

प्रदेश सरकार की उदार नीतियों की वजह से ही निजी औद्योगिक पार्कों का विकास इतनी तेजी से संभव हो सका है। वर्तमान में राज्य में औद्योगिक पार्क स्थापित करना पहले की अपेक्षा काफी सरल और पारदर्शी हो चुका है। प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों की स्थापना के लिए सड़क चौड़ाई के पुराने मानकों में बड़ा बदलाव किया गया है। अब सात मीटर चौड़ी सड़कों के किनारे भी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जा सकेगी। सरकार के इस फैसले से निजी औद्योगिक पार्कों के तेजी से निर्माण की राह खुली है। यह निर्णय राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और औद्योगिक विकास को नई गति देने वाला साबित हो रहा है। इन औद्योगिक पार्कों में मैन्युफैक्चरिंग जोन, बिजनेस व शॉपिंग सेंटर और इन्क्यूबेशन सेंटर के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा और संचार की सभी आधुनिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

जरा हटके

इस परियोजना का...

अभिषेक सक्सेना

वैज्ञानिक मानचित्रण और आधुनिक तकनीक से ऊसर भूमि का हुआ सुधार

उत्तर प्रदेश में कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवनरेखा है। प्रदेश को समृद्धि का आधार उसकी कृषि व्यवस्था है और कृषि की सफलता सीधे भूमि की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। ऐसे में प्रत्येक इंच भूमि का संरक्षण, सुधार और उत्पादक उपयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और वैज्ञानिक बनाने के उद्देश्य से आधुनिक तकनीकों को योजनाओं के साथ जोड़ते हुए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग केंद्र (आरएसएसी-यूपी) द्वारा उपग्रह आधारित वैज्ञानिक मानचित्रण के माध्यम से ऊसर भूमि सुधार कार्यक्रमों का सटीक आकलन प्रदेश में विज्ञान आधारित सुशासन का एक प्रभावशाली उदाहरण बनकर सामने आया है।

भूमि किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपदा होती है, किंतु जब यही भूमि लवणीयता, क्षारीयता अथवा अन्य प्राकृतिक कारणों से अपनी उत्पादक क्षमता खो देती है, तो उसका सीधा प्रभाव किसानों की आय, कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वर्षों तक अनुपयोगी पड़ी ऐसी ऊसर भूमि किसानों के लिए चिंता का विषय बनी रही। एक ओर कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल सीमित है, वहीं बढ़ती जनसंख्या और खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक

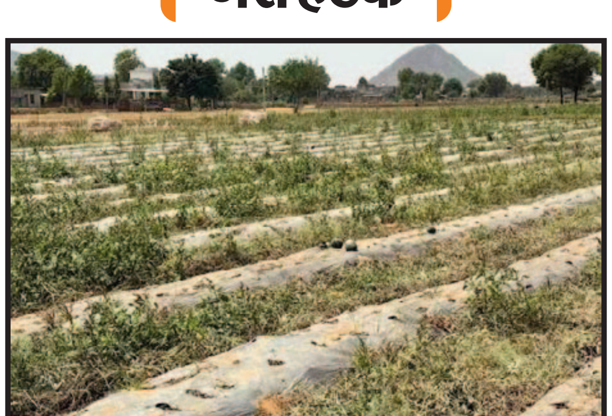

भूमि को अधिकतम उत्पादक बनाया जा रहा है। इसलिए बंजर भूमि को पुनः कृषि योग्य बनाना केवल भूमि सुधार का कार्य नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने का महत्वपूर्ण प्रयास भी है।

उत्तर प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है जहाँ भूमि अपघटन की चुनौती लंबे समय से विद्यमान रही है। प्रदेश में लगभग 28.78 लाख हेक्टेयर भूमि विभिन्न प्रकार की भूमि अपघटन समस्याओं से प्रभावित है, जबकि लगभग 6.06 लाख हेक्टेयर क्षेत्र ऊसर भूमि के रूप में चिन्हित किया गया है। ऐसी भूमि पर खेती करना अत्यंत कठिन माना जाता है, जिसके कारण कृषि उत्पादन प्रभावित होता है और किसानों की आय में भी अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाती। इस चुनौती को अवसर में बदलने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए चरणबद्ध तरीके से ऊसर भूमि सुधार कार्यक्रमों का सफल संचालन किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विश्व बैंक के सहयोग से संचालित ऊसर भूमि सुधार परियोजनाओं के माध्यम से इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। प्रथम चरण में 45 हजार हेक्टेयर भूमि के लक्ष्य के विरुद्ध 68 हजार हेक्टेयर ऊसर भूमि का सफल सुधार किया गया। इसके बाद दूसरे चरण में प्रदेश के 18 जनपदों में 1.50 लाख हेक्टेयर लक्ष्य के मुकाबले 1,89,714 हेक्टेयर भूमि को उपचारित किया गया। वहीं तीसरे चरण में 32 जनपदों में 1.30 लाख हेक्टेयर लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 1.42 लाख हेक्टेयर भूमि का सफल सुधार किया गया। इस प्रकार उत्तर प्रदेश ऊसर भूमि सुधार निगम अब तक लगभग 4 लाख हेक्टेयर ऊसर भूमि को पुनः कृषि योग्य बनाकर किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने में सफल रहा है।

किसी भी विकास कार्यक्रम की वास्तविक सफलता केवल लक्ष्यों की प्राप्ति से नहीं, बल्कि उसके स्थायी परिणामों से आंकी जाती है। इसी उद्देश्य से रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग केंद्र (आरएसएसी-यूपी) ने आधुनिक उपग्रह चित्रो, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), डिजिटल विश्लेषण तथा क्षेत्रीय सर्वेक्षण के माध्यम से उपचारित भूमि की वास्तविक स्थिति का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया। यह अध्ययन केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि भूमि सुधार परियोजनाओं की प्रभावशीलता का तकनीकी सत्यापन भी था।

परियोजना के अंतर्गत औरैया, आजमगढ़, बाराबंकी, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, जौनपुर, कन्नौज, कासगंज, कानपुर देहात तथा सीतापुर सहित 10 जनपदों का चयन किया गया। प्रत्येक जनपद के दो-दो गांवों में उपचारित भूमि का विस्तृत सर्वेक्षण कर उसकी वर्तमान स्थिति का आकलन किया गया। उपग्रह आधारित मानचित्रण और स्थल निरीक्षण के समन्वित अध्ययन ने यह सुनिश्चित किया कि प्राप्त निष्कर्ष पूरी तरह वैज्ञानिक और प्रमाणिक हों। अध्ययन के परिणाम अत्यंत उत्साहजनक रहे। चयनित 20 गांवों में लगभग 90 प्रतिशत ऊसर भूमि का सफल सुधार पाया गया तथा इन क्षेत्रों में नियमित रूप से कृषि उत्पादन किया जा रहा है। जो भूमि कभी अनुपयोगी मानी जाती थी, वही आज किसानों के लिए अन्न, आय और आत्मविश्वास का आधार बन रही है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि आधुनिक विज्ञान और प्रभावी सरकारी योजनाओ के समन्वय से प्राकृतिक चुनौतियों को भी विकास के अवसर में बदला जा सकता है।

इस परियोजना का लाभ केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं है। भूमि की उत्पादकता बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि हुई है, रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है।

परिजनों संग स्नान करते समय हादसा ■ 3 घंटे बाद मिला शव

गंगा में डूबकर युवक की मौत

बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के सरेनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम 3 बजे गंगा स्नान के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक साहिल अपने परिजनों के साथ स्नान कर रहा था, तभी वह गहरे पानी में चला गया। घंटों की मशक्कत के बाद उसका शव 6 बजे बरामद किया गया।

मृतक की पहचान फतेहपुर के पटेल नगर निवासी मोहम्मद रईस के पुत्र साहिल के रूप में हुई है। साहिल अपने ननिहाल, सरेनी स्थित पूरे मालिन गांव में अशरफ पुत्र याकूब के यहां आया हुआ था।

परिजनों के अनुसार, साहिल अपने परिवार के साथ नाव से पूरे मालिन से आदमपुर घाट होते हुए फतेहपुर जाने के लिए निकला था। बंगला घाट पहुंचने पर उन्हें नाव नहीं मिली। नाविक से फोन पर संपर्क करने पर उसने कुछ देर में आने की बात कही।

इसी दौरान साहिल और उसके साथ मौजूद अन्य लोग गंगा में स्नान करने लगे। स्नान करते समय साहिल अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही सरेनी पुलिस, फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे। कई घंटों के खोज अभियान के बाद युवक का शव गंगा से बाहर निकाला गया।

साहिल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सरेनी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रायबरेली जिला पंचायत में 150 से अधिक विकास कार्य

राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने 15 वर्षों की सेवा का प्रतिफल बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली जिला पंचायत परिसर में आज 150 से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने इन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी भी उपस्थित रहीं।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों ने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से पिछले 15 वर्षों तक जिला पंचायत के माध्यम से सेवा करने का अवसर दिया, और यह कार्यक्रम उसी का परिणाम है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि जिला पंचायत के केवल 20 प्रतिशत

क्षेत्रफल में 150 से अधिक विकास योजनाओं के पत्थर लगाए गए हैं। उन्होंने इसे सभी जिला पंचायत सदस्यों के सम्मान का प्रतीक बताया। मंत्री ने कहा कि जिला पंचायत सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों से चुनकर आते हैं और सदन में जनता की आवाज बनते हैं। सदन में प्रस्ताव पारित होने के बाद ही विकास का एजेंडा तय होता है, जिसके अनुरूप रायबरेली का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है।

सदन को कुशल नेतृत्व देने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी की सराहना की गई। मंत्री दिनेश सिंह ने कहा कि श्रीमती चौधरी ने दो बार जिला पंचायत सदस्य और एक बार जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरकर दिखाया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के अंतिम क्षणों में सभी बोर्ड सदस्यों को बुलाकर सम्मानित करना उनकी दूरदर्शिता और लोकतंत्र की एक मजबूत परंपरा को दर्शाता है।

फास्ट न्यूज

बारिश से जलभराव

बाराबंकी। बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत सीहामऊ के प्राथमिक विद्यालय के बाहर मानसून की पहली बारिश के बाद जलभराव हो गया है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण छात्र-छात्राओं को गंदे पानी से होकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। शुक्रवार को बच्चों को अपने बैग और किताबें बचाते हुए पानी पार कर विद्यालय जाते देखा गया। छात्रों ने बताया कि गेट के बाहर घुटनों तक पानी भर जाता है, जिससे उन्हें स्कूल पहुंचने में काफी कठिनाई होती है। जलभराव के कारण कई बच्चे विद्यालय नहीं पहुंच सके।

सीएचसी अधीक्षक के वाहन से टक्कर का आरोप

बाराबंकी। बाराबंकी के घुंघटेर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल सिकटिया गांव निवासी राम सिंह (45) की इलाज के दौरान मौत हो गई। गुरुवार को शव 3 :00 बजे गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने सरकारी नौकरी, आर्थिक मुआवजा, कृषि भूमि का पट्टा और बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे तक चली बातचीत और समझाइश के बाद अधिकारियों के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए और अंतिम संस्कार के लिए सहमत हो गए।

जियनपुर में ग्राम चौपाल का आयोजन

बाराबंकी। सिद्धौर ब्लॉक क्षेत्र के जियनपुर पंचायत भवन परिसर में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। 'गांव की समस्या, गांव में समाधान' पहल के तहत आयोजित इस चौपाल में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके सुझाव प्राप्त किए। चौपाल में परिवार रजिस्टर की नकल, हैंडपंप की मरम्मत, नालियों की साफ-सफाई, प्रधानमंत्री आवास प्लस सूची और फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित आधा दर्जन से अधिक प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई हुई।

बाराबंकी में करंट से किशोर की मौत

बारिश के दौरान केबल छू गया ■ रो-रोकर परिवार बेहाल

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की विद्युत करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना पूरे अहिरन मजरे सकौली गांव में हुई, जहां घर के बाहर काम कर रहा किशोर बारिश के दौरान विद्युत केबल में उतरे करंट की चपेट में आ गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, पूरे अहिरन मजरे सकौली गांव निवासी शिवांश यादव (14) पुत्र धारानाथ यादव शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे अपने घर के बाहर कुछ काम कर रहा था। इसी दौरान वह विद्युत केबल में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गया। घटना के समय क्षेत्र में बारिश हो रही थी, जिससे यह हादसा हुआ।

परिजनों और ग्रामीणों ने तुरंत शिवांश को बचाने का प्रयास किया और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामसनेहीघाट पहुंचाया। हालांकि, चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पिता धारानाथ यादव ने बताया कि उनका बेटा घर के बाहर काम कर रहा था, तभी अचानक केबल में करंट उतर आया। चचेरे भाई चंद्रशेखर यादव ने बताया कि बारिश के कारण केबल में करंट आ गया था और जब तक लोग उसे बचाने के लिए पहुंचे, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामसनेहीघाट के अधीक्षक डॉ. रमेश चंद्र ने पुष्टि की कि किशोर को अस्पताल मृत अवस्था में लाया गया था।

कोतवाली प्रभारी दयाशंकर द्विवेदी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को अस्पताल भेजा गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

शिवांश की असमय मौत से परिवार में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए बारिश के दौरान विद्युत लाइनों और खुले केबलों के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है।

महिला की सांप के काटने से मौत

खेत की रखवाली के दौरान हुई घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के भीतरगांव में खेत की रखवाली कर रही एक महिला की सर्पदंश से मौत हो गई। घटना गुरुवार दोपहर बाद हुई, जब महिला छप्पर के नीचे बैठी थी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान पिंकी (पत्नी रितेश) के रूप में हुई है, जो पिछले काफी समय से भीतरगांव स्थित अपने पिता भारत कुशवाहा के घर पर रह रही थी। गुरुवार दोपहर बाद वह खेत की रखवाली के लिए छप्पर के नीचे बैठी थी, तभी एक जहरीले सांप ने उसे डस लिया।

सर्पदंश के बाद पिंकी ने आसपास मौजूद लोगों से मदद मांगी। परिजनों

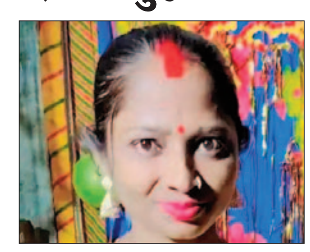

■ अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

और ग्रामीणों की सहायता से उसे तुरंत सीएचसी खीरों ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रायबरेली रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने पिंकी को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

किसानों ने शुरू की धान की रोपाई

झमाझम बारिश से खेत बने लबालब

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जनपद में हो रही मानसूनी बारिश ने किसानों को राहत प्रदान की है। कई दिनों से पानी की कमी का सामना कर रहे किसानों को आखिरकार पर्याप्त वर्षा मिल गई है। इसके परिणामस्वरूप, खेतों में धान की रोपाई का कार्य तेजी से शुरू हो गया है और अच्छी पैदावार की उम्मीद भी बढ़ गई है।

बाराबंकी जनपद में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश किसानों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। धान की नर्सरी तैयार होने के बावजूद, किसान खेतों में रोपाई के लिए पर्याप्त पानी न मिलने से चिंतित थे। जून और जुलाई के शुरुआती दिनों में कम बारिश के कारण धान की रोपाई पर अनिश्चितता बनी हुई थी।

लगातार हुई भारी बारिश के चलते बाराबंकी के ग्रामीण इलाकों के खेत पूरी तरह पानी से भर गए हैं। पर्याप्त पानी उपलब्ध होने से धान की रोपाई के कार्य में तेजी आई है। जो किसान अब तक पानी के अभाव में रोपाई शुरू नहीं कर पाए थे, वे भी अब इस कार्य में जुट गए हैं।

किसानों ने बताया कि वे कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे थे। उनका कहना है कि अच्छी बारिश होने से धान की रोपाई तेजी से शुरू हो गई है और यह समय पर हुई वर्षा उनकी फसल के लिए अनुकूल है।

सरयू नदी पर नए पुल का मिट्टी परीक्षण शुरू

लखनऊ-बहराइच फोर लेन राजमार्ग परियोजना के लिए तैयारी तेज

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरयू (घाघरा) नदी पर एक नए पुल के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य शुरू हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने शुक्रवार दोपहर 1:00 बजे से नदी के बीच मिट्टी परीक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया है। यह नया पुल मौजूदा संजय सेतु के समानांतर बनाया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते यातायात दबाव और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है।

नदी का जलस्तर बढ़ा होने के बावजूद, विशेषज्ञों की एक टीम स्टीमर और विशेष नावों का उपयोग कर रही है। वे नदी के मध्य तक पहुंचकर अत्याधुनिक मशीनों से मिट्टी की जांच कर रहे हैं। नावों पर जनरेटर लगाकर

ड्रिलिंग उपकरण संचालित किए जा रहे हैं।

अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर पूरे कार्य की निगरानी कर रहे हैं। इस जांच का मुख्य उद्देश्य नदी की तलहटी की मिट्टी की गुणवत्ता और उसकी भार वहन क्षमता का परीक्षण करना है, ताकि पुल के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नींव तैयार की जा सके।

यह प्रस्तावित पुल लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग की चार लेन परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्तमान संजय सेतु पर प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है, जिससे अक्सर यातायात जाम और सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। नए पुल के निर्माण से यातायात सुगम होगा और सड़क सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रोजेक्ट डायरेक्टर नकुल प्रकाश वर्मा ने बताया कि चार लेन सड़क परियोजना के तहत सरयू-घाघरा नदी पर नए पुल के निर्माण के लिए आवश्यक मिट्टी परीक्षण शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी तकनीकी जांच पूरी होने के बाद निर्माण कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

आरोप : एफआईआर दर्ज होने के 190 दिन बाद पकड़ा गया ■ पहले से 4 केस दर्ज

पुलिस ने 25,000 के इनामी गैंगस्टर को दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। पुलिस ने अपराधियों और समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। कासिमपुर पुलिस ने गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) से संबंधित 25,000 हजार के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एफआईआर दर्ज होने के ठीक 190 दिनों बाद हुई है।

अभियुक्त उस्मान के खिलाफ कासिमपुर थाने में 1 जनवरी 2026 को रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके बाद से ही वह पुलिस की पकड़ से लगातार फरार चल रहा था। कासिमपुर थानाध्यक्ष ने शुक्रवार दोपहर

3:18 बजे इस गिरफ्तारी की जानकारी साझा की है।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान उस्मान पुत्र साबिर के रूप में हुई है, जो मोहल्ला काजीपुर, कस्बा व कोतवाली बिलग्राम, जनपद हरदोई का निवासी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उस्मान और उसके अन्य साथियों के खिलाफ आर्थिक व भौतिक लाभ कमाने के गलत इरादे से समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने के आरोप में मुकदमा दर्ज था।

उस्मान का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ थाना मल्लावां और थाना कासिमपुर में चोरी करने तथा चोरी का माल बरामद होने के कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी कासिमपुर पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर घेराबंदी करते हुए आखिरकार उसे दबोच लिया।

आरोपी पर पहले से मल्लावां और कासिमपुर थाने में दो-दो मुकदमे दर्ज हैं। इसमें चोरी बेईमानी आदि धाराओं में शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा इस शातिर अपराधी की गिरफ्तारी के लिए 25,000 हजार का नकद इनाम भी घोषित किया गया था।

इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली कासिमपुर पुलिस टीम में थानाध्यक्ष घनश्याम राम, उपनिरीक्षक प्रियांक शर्मा, हेड कांस्टेबल अनूप, जयकरन और कांस्टेबल धर्मेन्द्र मुख्य रूप से शामिल रहे। पुलिस द्वारा गिरफ्तार गैंगस्टर उस्मान के खिलाफ आगे की आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

हनुमानगढ़ी में नमाज-इफ्तार विवाद पर सियासत तेज

बाराबंकी में पसमांदा समाज ने सीएम योगी के बयान का समर्थन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या के सोहावल में हनुमानगढ़ी परिसर में पूर्ववर्ती सरकार के समय हुए रोजा इफ्तार और नमाज के प्रयास का मुद्दा उठाने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस पर बाराबंकी में शुक्रवार शाम 4 बजे ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। राईन ने याद दिलाया कि वर्ष 2003 में सपा सरकार के दौरान

हनुमानगढ़ी के सामने इफ्तार और नमाज के प्रयास पर संतों ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

राईन ने कांग्रेस को "सबसे बड़ी धोखेबाज" करार देते हुए आरोप लगाया कि उसने बाबरी मस्जिद के अंदर मूर्ति रखवाई, ताला खुलवाया और शिलान्यास भी करवाया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां आज खुद को पाक-साफ बताती हैं, जबकि इन्होंने देश के मुसलमानों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।

वसीम राईन ने देश के साझा सौहार्द का उदाहरण भी दिया। उन्होंने बताया कि बाराबंकी के देवा शरीफ मजार पर मुस्लिम भी होली खेलते हैं और दिल्ली की निजामुद्दीन मजार पर दीपावली भी मनाई जाती है। राईन ने इसे हिंदुस्तान की असली संस्कृति बताया और आरोप लगाया कि विपक्ष ने हमेशा इसका राजनीतिकरण किया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि सरकार पसमांदा मुसलमानों को व्यवस्था में उचित हिस्सेदारी देकर उन्हें और मजबूत बनाए। राईन के अनुसार, इससे पसमांदा समाज के लोग कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकेंगे और "खुद को सेकुलर कहने वालों की दुकानें हमेशा के लिए बंद हो जाएंगी।

एचबीटीयू हॉस्टल में लाइट नहीं आ रही : राज्यपाल

नाराजगी

पूछा-क्या बजट की कमी है? 996 स्टूडेंट को 1071 डिग्रियां दीं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । राज्यपाल आनंदीबेन पटेल शुक्रवार कानपुर पहुंची। HBTU के 8वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने फाइनेंस कंट्रोलर और कुलसचिव से हॉस्टल की सुविधाओं पर सवाल किया। राज्यपाल ने कहा- एक साल पहले भी हॉस्टल में बिजली कटने की समस्या थी और आज भी बनी हुई है। कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन तक नहीं है। बताइए, क्या बजट की कमी है? कितना बजट है?

समारोह में यूनिवर्सिटी टॉपर को 3 मेडल और 40 हजार रुपए का चेक दिया गया। वहीं, 47 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह में 996 छात्र-छात्राओं को कुल 1071 डिग्रियां दी गईं। कुछ छात्रों को मेजर और माइनर कोर्स की दो-दो डिग्रियां मिलीं। इससे पहले राज्यपाल ने एक क्लिक में सभी 996 डिग्रियां डिजिलॉकर में जारी कीं। मेडल विजेता छात्र-छात्राएं पारंपरिक कुर्ता-पायजामा पहनकर पहुंचे और उन्हें समारोह में अलग स्थान पर बैठाया गया।

ज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्नाव की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनबाड़ी किट और खिलौने वितरित किए। इस दौरान मंच पर उन्नाव की सीडीओ कृति राज भी मौजूद रहीं। राज्यपाल ने कार्यकत्रियों से कहा कि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें और उनकी बेहतर देखभाल करें। एचबीटीयू की ओर से गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय में हुई प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

हॉस्टल की सुविधाओं पर राज्यपाल ने जताई नाराजगी

दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय संबोधन के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने फाइनेंस कंट्रोलर और कुलसचिव से हॉस्टल की सुविधाओं पर सवाल किए। उन्होंने कहा- एक साल पहले भी हॉस्टल में बिजली कटने की समस्या थी और आज भी बनी हुई है। कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन तक नहीं है। बताइए, क्या बजट की कमी है? कितना बजट है?

डिजिलॉकर में मार्कशीट और डिग्री कम डाउनलोड होने पर राज्यपाल ने जताई नाराजगी

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डिजिलॉकर में मार्कशीट और डिग्री के कम डाउनलोड होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- हम लोग अच्छे-अच्छे ऐप बना रहे हैं, लेकिन आप उन्हें डाउनलोड नहीं कर रहे हैं। यह निराशाजनक है। शिक्षक बताएं कि क्या कोर्स और सब्जेक्ट कम हो गए हैं? उन्होंने एग्जाम कंट्रोलर को कम डाउनलोड होने और घटते प्रतिशत की जानकारी देने के लिए राजभवन आने के निर्देश दिए।

> **राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि छात्राएं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ें और लगन व मेहनत से अपनी प्रतिभा दिखाएं। उन्होंने कहा कि आज के समय में लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं हैं। उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के मौके मिल रहे हैं।**

दीक्षांत समारोह की शोभायात्रा शताब्दी भवन सभागार पहुंची।

गोरखपुर में 'सॉरी' न बोलने पर बाल खींचकर पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में रेलवे हॉस्पिटल के पास 9 जुलाई की शाम करीब 6:30 बजे कार और बाइक की टक्कर हो गई। इसके बाद बाइक चालक और स्कॉर्पियो से आए मनबढ़ों ने कार सवार युवती की पिटाई कर दी।

कार से टक्कर होने के बाद युवती से सॉरी बोलने की जिद कर रहे थे। इन्कार करने पर पहले बाल खींचकर पीटा गया, इसके बाद उसके साथ अभद्रता की गई। महिला का आरोप है कि उसके कपड़े फाड़े गए और बैड टच भी किया। महिला की तहरीर पर शाहपुर थाने में शुक्रवार सुबह 10 बजे अज्ञात बाइक चालक और काली स्कॉर्पियो में बैठे युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

युवकों ने बाइक से कार टकराने पर लड़की से गाली-गलौज की, बैड टच किया

रामगढ़ताल थाना क्षेत्र की 24 साल की युवती ने बताया कि 9 जुलाई की शाम करीब 6:30 बजे अपनी ग्रैंड विटारा कार से रेलवे हॉस्पिटल जा रही थी। आरोप लगाया कि रास्ते में अचानक से एक बाइक वाला सामने से आकर कार से टकरा गया। इसके बाद बाइक से उतरकर मेरे साथ अभद्रता करने लगा। गलती उसकी थी, बार सॉरी बोलने के लिए कह रहा था। मैंने इन्कार कर दिया।

इसके बाद उसके कुछ और साथी एक काली स्कॉर्पियो से आए। सभी मिलकर मेरा बाल पकड़कर मुझे मारने लगे।

फास्ट न्यूज

निषादराज बोट सब्सिडी योजना आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

हरदोई। हरदोई में निषादराज बोट सब्सिडी योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 जुलाई 2026 तक बढ़ा दी गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सेक्टर की प्रमुख योजनाओं मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना और सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना योजना के तहत 08 जून से 28 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

हरदोई पुलिस ने 25,000 के इनामी गैंगस्टर को दबोचा

हरदोई। पुलिस ने अपराधियों और समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। कासिमपुर पुलिस ने गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) से संबंधित 25,000 हजार के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एफआईआर दर्ज होने के ठीक 190 दिनों बाद हुई है। अभियुक्त उस्मान के खिलाफ कासिमपुर थाने में 1 जनवरी 2026 को रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके बाद से ही वह पुलिस की पकड़ से लगातार फरार चल रहा था।

अरवल पुलिस ने इंजन चोर दबोचा

हरदोई। हरदोई के अरवल थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का एक इंजन भी बरामद किया। पुलिस के अनुसार, यह मामला 16 मई 2026 को दर्ज किया गया था। वादी बाबूल पुत्र चेतराम निवासी ग्राम हन्नामऊ, थाना अरवल ने अज्ञात तीन आरोपियों के खिलाफ इंजन चोरी की रिपोर्ट लिखाई थी।

शाहजहांपुर में 125-फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक

मोबाइल छिनैती पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में 21 वर्षीय युवक गुरुवार रात करीब 10 बजे 125 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। हरियाणा में मोबाइल छिनैती के मामले में पुलिस की कार्रवाई से नाराज युवक पिछले 16 घंटे से अधिक समय से टावर पर बैठा है। पुलिस-प्रशासन के साथ ही परिजन भी उसे मनाने में जुटे हैं, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं है। वह कभी सीबीआई जांच तो कभी आर्मी तो कभी राष्ट्रपति को बुलाने की जिद कर रहा। युवक की पहचान कटरा थाना क्षेत्र के बंशसान मोहल्ला निवासी आकाश (21) के रूप में हुई है। वह पिछले एक साल से हरियाणा की एक निजी कंपनी में नौकरी कर रहा था। गुरुवार दोपहर 1 बजे वह हरियाणा जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन ट्रेन पकड़ने की बजाय रात करीब 10 बजे घर से 20 किलोमीटर दूर एक मोबाइल

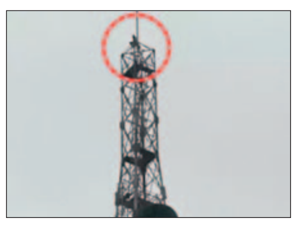

टॉवर पर चढ़ गया। मामला जिला मुख्यालय से 28 किमी. दूर तिलहर थाना क्षेत्र के कछियानी खेड़ा के पास का है। कटरा थाना क्षेत्र के बंशसान मोहल्ला निवासी आकाश (21) करीब एक वर्ष से हरियाणा की एक निजी कंपनी में नौकरी कर रहा था। वह 7 जुलाई को घर लौटा था। गुरुवार को उसे वापस हरियाणा जाना था। परिजनों के मुताबिक, वह दोपहर 1 बजे ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकला था, लेकिन ट्रेन में सवार होने की बजाय रात करीब 10 बजे तिलहर थाना क्षेत्र के कछियानी खेड़ा के पास एक मोबाइल टावर के शीर्ष पर चढ़ गया।

हाथी दिखाने के बहाने युवक ले गया, दुष्कर्म के बाद छोड़कर भागा, लोगों ने चप्पलों से पीटा

झांसी में 7 साल की बच्ची से रेप

7 जुलाई को घर के बाहर से बुलाकर ले गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में एक युवक ने घर से 100 मीटर दूरी पर रहने वाली 7 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। 7 जुलाई को सुबह 9 बजे के करीब वह अपनी सहेली के साथ घर के बाहर खेल रही थी।

तभी आरोपी आया और हाथी दिखाने के बहाने बच्ची को अपने साथ ले गया। सूनी गली में कार के पीछे बच्ची से दरिंदगी की। फिर लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गया। खून से सनी बच्ची को देखकर परिजन सकपका गए। उन्होंने बेटी से पूछताछ की। बेटी ने आरोपी के बारे में इनपुट दिया। जिसके बाद से परिजन आरोपी की तलाश कर रहे थे। उन्होंने अपने मकान मालिक को घटना की जानकारी दी थी। उससे बात करने पर आरोपी का सुराग मिला। जिसके बाद शुक्रवार सुबह परिजन उसके घर पहुंचे। आरोपी को पकड़कर अपने घर ले आए। बेटी ने आरोपी को पहचान लिया। उसके बाद भीड़ ने आरोपी की चप्पलों से पिटाई की। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया।

रेप के आरोपी की चप्पलों से पिटाई करती महिला।

बच्ची के परिजन ने बताया- आरोपी युवक हाथी दिखाने के बहाने ले गया था।

मकान मालिक से बात करने पर आरोपी का मिला सुराग

9 जुलाई को हिम्मत करके मैंने अपने मकान मालिक को घटना की जानकारी दी। तब पता चला कि कुछ देर पहले एक आरोपी ने इसी तरह घोड़ा दिखाने के बहाने बच्ची को ले जाने की कोशिश की। बच्ची के चिल्लाने पर वो भाग गया। तब हम लोगों ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

पिता काम से लौटकर आए तो हुई घटना की जानकारी

पिता ने आगे बताया- आरोपी बेटी को एक सूनी गली में ले गया और वहां पर खड़ी कार के पीछे रेप किया। फिर लहूलुहान हालत में बेटी को छोड़कर भाग गया। शाम लगभग 4 बजे मैं घर पहुंचा तो बेटी गेट पर खड़ी थी और रो रही थी। उसके कपड़ों पर खून लगा था।

बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी एक युवक ने बताया- मैं अपने परिवार के साथ एक कॉलोनी में रहता हूं। मेरे 3 बच्चे हैं। जिसमें 12 साल की बेटी, 10 साल का बेटा और सबसे छोटी बेटी 7 साल की है। मैं ई-रिक्शा चलाता हूं, जबकि पत्नी घरों में झाड़ू-पोछा का काम करती है।

7 जुलाई को सुबह करीब 9 बजे मैं ई-रिक्शा चलाने गया था और पत्नी भी काम पर गई थी। 7 साल की बेटी उस समय घर के बाहर सहेली के साथ खेल रही थी। बाकी के दो बच्चे घर पर थे। तभी एक युवक आया और बेटी से कहने लगा कि चलो हाथी दिखाएंगे। झांसे में आकर बच्ची उसके साथ चली गई।

पोते को करंट से बचाने में दादा जिंदा जले

बुलंदशहर में 11 हजार वोल्ट की लाइन में फंसी थी पतंग, लोहे की रॉड से छुड़ा रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

खुर्जा, बुलंदशहर। बुलंदशहर में शुक्रवार को 12 बजे किशोर को बचाने गए दादा की करंट से मौत हो गई। किशोर छत पर पंतग उड़ा रहा था तभी उसकी पतंग बिजली के खंभे में फंस गई। किशोर लोहे के डंडे से पतंग को निकालने लगा, जिससे 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया।

किशोर डंडा पकड़े हुए करंट से जलने लगा, खंभे में भी तेज स्पार्किंग के साथ धमाका हुआ। बच्चे को बचाने उसके दादा पहुंचे और हाथ से ही बच्चे को हटाने लगे। बच्चा तो गिरकर अलग हो गया, लेकिन दादा की मौत हो गई। बच्चे का इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर है। घटना का वीडियो सामने आया है। मामला खुर्जा कोतवाली क्षेत्र का है।

मोहल्ला बुर्ज उस्मान गांव के रहने वाले अबरार (35) मिट्टी के बर्तन बनाने के कारखाने में काम करते हैं। अबरार के परिवार में पत्नी जीनत (32), तीन बच्चे आहद (12), अमायरा (10) और छोटा बेटा हारिश (7) हैं। तीनों बच्चे एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करते हैं। आहद कक्षा तीन का छात्र है। वहीं अमायरा दूसरी और हारिश कक्षा एक में पढ़ता है। घायल किशोर को परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घायल किशोर को परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। आहद के शरीर से धुआं निकलने लगा और आग लग गई। खंभे से भी चिंगारी निकलने लगी। बच्चे को करंट लगने से तड़पता देख पास में मौजूद दादा इसरार उसे बचाने पहुंचे। उन्होंने हाथ से पकड़कर ही बच्चे को छुड़ाने की कोशिश की।

इसरार, मृतक

पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया

खुर्जा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामफल सिंह ने बताया कि करंट से बुजुर्ग की मौत हुई है। बच्चा पतंग निकालते समय करंट की चपेट में आया था, जिसे बचाने में बुजुर्ग की जान गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

> **परिजन आनन-फानन में इसरार और आहद को अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दादा इसरार को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अहद की हालत बेहद नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तुरंत हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज जारी है।**

दादा के घर पर खेलने गया था

शुक्रवार की दोपहर करीब 12 बजे अहद बगल में बने अपने दादा इसरार मेंबर (65) पुत्र जुमा खां के घर खेलने गया था। वह छत पर पतंग उड़ा रहा था। तभी उसकी पतंग घर के सामने 11000 वोल्ट लाइन के बिजली पोल में फंस गई। उसने पतंग निकालने के लिए लोहे की रॉड का इस्तेमाल किया। रॉड के करंट उतरकर आहद उसकी चपेट में आ गया।

अभिनेता बोमन ईरानी ने किया काशी विश्वनाथ का दर्शन

बोले- जैसी काशी सुनी थी, उससे बिल्कुल अलग मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता बोमन ईरानी अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर काशी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए, पहले दिन गुरवार को उन्होंने गंगा में क्रूज यात्रा कर काशी के 84 घाटों की भव्यता को निहारा और शहर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया। अभिनेता ने कहा कि इस बार उन्हें काशी को बेहद करीब से जानने और समझने का अवसर मिला, जो उनकी कल्पना से कहीं अधिक अद्भुत है।

सुबह बोमन ईरानी श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ बाबा विश्वनाथ का पूजन-अर्चन किया। पूजा-अर्चना के दौरान उन्होंने श्रद्धापूर्वक सभी मंत्रों का शुद्ध उच्चारण भी किया, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। काशी निवासी सौरभ ने बताया कि मंदिर में श्रीकांत जी ने पूरे वैदिक रीति-रिवाज से पूजा संपन्न कराई। उन्होंने बताया कि बोमन ईरानी मंत्रों का उच्चारण अत्यंत शुद्धता के साथ कर रहे थे, जिससे सभी प्रभावित हुए। वाराणसी भ्रमण के दौरान बोमन ईरानी ने शहर के प्रसिद्ध पारंपरिक व्यंजनों का भी आनंद लिया। उन्होंने विशेष रूप से बनारसी टमाटर चाट का स्वाद चखा और उसकी खूब प्रशंसा की। स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए उन्होंने बनारस के खान-पान और यहां की संस्कृति में गहरी रुचि दिखाई।

पृष्ठ 01 का शेष...

राम मंदिर का ताला...

उन्होंने सवाल उठाया कि जब ट्रस्ट का गठन और प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुई तो अब जवाबदेही कौन तय करेगा।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि यदि ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर कोई आरोप नहीं है तो चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा क्यों दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर पूरे मामले की लीपापोती की जा रही है, जबकि शीर्ष स्तर की जिम्मेदारी तय नहीं की जा रही।

अजय राय ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को अयोध्या में दर्शन करने से रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वे भगवान राम के दर्शन करके आए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कुछ तथ्यों को छिपाने की कोशिश कर रही है और इसी वजह से विपक्ष के सवालों से बच रही है।

सुप्रीम कोर्ट में सुप्री...

इस पर जस्टिस केवी विश्वनाथन ने हैरानी जताते हुए पूछा- आप मुझे आदेश दे रहे हैं? जवाब में याचिकाकर्ता बोला- "मेरी तरफ से बस इतना ही। सब कुछ रिकॉर्ड पर है।" इसके बाद उसने केस की फाइल हवा में फेंक दी और गाली-गलौज करने लगा।

हंगामे के बाद जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा- "वह बहुत परेशान है, यह सब उसकी हताशा है। हमें उसके लिए केवल सहानुभूति है। हम उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना चाहते। जहां तक मामले की बात है, हमें विवादित आदेश में दखल देने का कोई ठोस आधार नहीं मिला।"

'पुलिस की गुंडागर्दी ...

उन्होंने कहा कि अगर परिवार को न्याय नहीं मिलता है तो लखनऊ में आंदोलन करेंगे। लोकसभा में भी मुद्दा उठाएंगे।

दरअसल, बीए की छात्रा ललिता गौतम 15 मई को परीक्षा देने निकली थी। दो दिन बाद उसका शव गन्ने के खेत में मिला। परिजनों ने गैंगरेप के बाद हत्या का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। सूचना पर SSP अविनाश पांडेय पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को थप्पड़ मारे। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया।

नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सिवाया टोल प्लाजा पर लगभग 1 घंटे तक पीड़ित परिवार से मुलाकात की। पूरा घटनाक्रम जानने के बाद चंद्रशेखर ने परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया है। पीड़ित परिवार की महिलाओं से मारपीट किए जाने को लेकर सांसद ने अधिकारियों से नाराजगी भी जताई।

मीडिया से बातचीत करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे समय पर जब पीड़ित परिवार के जख्मों पर मरहम लगना चाहिए था, उनको मारा-पीटा जा रहा है। जिले के कप्तान ने जिस तरह का व्यवहार किया, उसके बाद परिवार भय के माहौल में जीने को मजबूर है। निश्चिततौर पर किसी के भड़काने पर एसएसपी के द्वारा यह कदम उठाया गया। इसकी जांच होनी चाहिए और वह चेहरा सामने आना चाहिए, जिसके कहने पर यह पूरा घटनाक्रम हुआ।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उन्होंने प्रशासन को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। 7 दिन में पीड़ित परिवार की मांगे पूरी नहीं होती है तो आगे का आंदोलन लखनऊ में चलेगा। वह लोकसभा में भी इस मुद्दे को उठाएंगे। जरूरत पड़ेगी तो वह अनिश्चितकालीन आंदोलन भी शुरू करेंगे। इसके बाद चंद्रशेखर आजाद वापस कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और उन्हें पूरी बातचीत और प्रशासन से मिले आश्वासन से अवगत कराया।

चंद्रशेखर आजाद की शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे मुजफ्फरनगर के रोहाना टोल प्लाजा पर पुलिस से तीखी बहस हुई। सहारनपुर से मेरठ जा रहे उनके काफिले की कुछ गाड़ियों को पुलिस ने रोक लिया। इसके बाद सांसद अपनी गाड़ी से उतर आए। उनकी इंस्पेक्टर से तीखी नोकझोंक हुई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है।

इसमें इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह सांसद के सामने हाथ जोड़कर अपनी बात रखते दिखाई दे रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद उनसे पूछते हैं, "आप कार्यकर्ता को गाली क्यों दे रहे हैं?" जवाब में इंस्पेक्टर ने कहा, "हमारे यहां कोई गाली नहीं देता। गाली देने का तो सवाल ही नहीं है।" इस पर चंद्रशेखर ने कहा, "बबलू चौधरी जाट समाज का बड़ा नेता है। वह झूठ क्यों बोलेगा? क्या उसकी आपसे कोई लड़ाई है?" इंस्पेक्टर ने जवाब दिया, "ये बैरियर तोड़ रहे थे।"

इस पर चंद्रशेखर भड़क गए। उन्होंने कहा, "आप बैरियर के आगे क्यों खड़े हैं? आप मेरी गाड़ी के आगे खड़े थे। ठीक है, आप अपने अधिकारियों के आदेश का पालन कर रहे हैं, लेकिन हम जनता के प्रतिनिधि हैं। आप हमें कैसे रोक सकते हैं? हमारी गाड़ियां किस आधार पर रोकेंगे? हमने कौन सा अपराध किया है?" इंस्पेक्टर ने कहा, "हमें जो आदेश मिला है, उसका पालन कर रहे हैं।" इस पर चंद्रशेखर ने कहा, "देखिए, ऐसा मत करिए। हमें बातें भूलती नहीं हैं, याद रहती हैं।"

भाजपा अध्यक्ष नितिन...

हालांकि अभिषेक ने नाम वापसी के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है।

नए कैंडिडेट नीरज सिन्हा 20 साल से पार्टी से जुड़े हैं। वे नितिन नवीन के करीबी बताए जा रहे हैं। फिलहाल, मंडल अध्यक्ष हैं। नितिन नवीन ने इसी साल 30 मार्च को बांकीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया था।

अभिषेक ने प्रदेश अध्यक्ष को सौंपे लेटर में लिखा- मुझे BJP ने बांकीपुर विधानसभा उप चुनाव में NDA प्रत्याशी बनाया, उसके लिए केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करता हूं । विनम्रता के साथ आपको आग्रह करना चाहता हूं कि मैं पारिवारिक कारण से विधानसभा उप चुनाव लड़ने में असमर्थ हूं। मैं कार्यकर्ता के नाते निष्ठा पूर्वक सेवा देता रहूंगा।

नामांकन की प्रक्रिया 13 जुलाई तक चलेगी। अभिषेक ने गुरुवार को नामांकन दाखिल किया था। नामांकन सभा में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा NDA के सभी सीनियर नेता शामिल हुए थे।

गुरुवार को ही RJD प्रत्याशी रेखा गुप्ता ने नॉमिनेशन किया था। जनसुराज के प्रशांत किशोर 13 जुलाई को पर्चा भरेंगे।

बीजेपी ने भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक कुमार बंटी को अपना उम्मीदवार बनाया था। अभिषेक कायस्थ जाति से आते हैं और नितिन नवीन के काफी करीबी माने जाते हैं।

जनसुराज के संस्थापक और बांकीपुर सीट से उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने बीजेपी कैंडिडेट बदले जाने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जन बल के आगे कोई बल नहीं है। अब तक लोग बीजेपी के डर से भागते थे, लेकिन ये पहली बार इंसाफ हुआ है कि भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार भाग गया।

ई20 पेट्रोल से गाड़ी...

ट्रैफिक का असरः दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों में ट्रैफिक में रुक-रुककर चलने से गाड़ियां निचले गियर में चलती हैं, जिससे माइलेज गिरता है, लेकिन हाईवे पर लगातार 100kmph की स्पीड पर अंतर दिखेगा। फ्लेक्स इंजन में दिक्कत नहीं: ARAI की रिपोर्ट के मुताबिक, खास तौर पर बने फ्लेक्स-फ्यूल इंजनों में माइलेज की कोई समस्या नहीं है। देश की करीब 12 कंपनियां अब फ्लेक्स मॉडल पर काम कर रही हैं।

ब्राजील मॉडल और 75 की कीमतः ब्राजील 1970 से 27% एथेनॉल ब्लेंड का इस्तेमाल कर रहा है। सरकार का लक्ष्य जनता को अलग-अलग कीमतों पर फ्यूल ब्लेंड्स का विकल्प देना है; अभी एथेनॉल की कीमत करीब 75/लीटर है।

भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (E20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है और इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

गंभीर की कोचिंग, श्रेयस की कप्तानी पर सवाल

इंग्लैंड से टी-20 सीरीज हारने का परफॉर्मेंस रीव्यू करेगा बीसीसीआई

मुकाबला

मुंबई, एजेंसी

2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड ने भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। दोनों टीमों के बीच अब तक 10 सीरीज खेली गईं, जिनमें भारत ने 5 और इंग्लैंड ने 4 जीतीं। एक सीरीज ड्रॉ रही थी।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज हारने के बाद BCCI भारतीय टीम के परफॉर्मेंस का रीव्यू करने जा रहा है। हेड कोच गौतम गंभीर का रोल और टीम की रणनीति भी रिव्यू का हिस्सा होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी भी समीक्षा के दायरे में आएगी। यह दावा न्यूज एजेंसी ANI ने सूत्रों के हवाले से किया है।

रिपोर्ट के अनुसार आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड यह समझना चाहता है कि रणनीति और टीम चयन के स्तर पर कहां कमी रही। फिलहाल गंभीर और अय्यर पर कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन उनके कामकाज की समीक्षा तय मानी जा रही है।

गंभीर का एग्रीमेंट 2027 तक है। अय्यर हाल ही में कप्तान बनाए गए हैं। भारतीय टीम को आयरलैंड दौरे में 0-2 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। जबकि, टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 0-3 से पिछड़ रही है। एक मैच नो रिजल्ट रहा था। एक दिन पहले टीम सीरीज के चौथे मैच में 9 विकेट से हार गई थी।

भारत एक भी मैच नहीं जीता

आयरलैंड पहली बार भारत को किसी फॉर्मेट में हराया।

अय्यर की कप्तानी में लगातार दूसरी सीरीज गंवाई

BCCI ने हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। हालांकि, यह फैसला अब तक टीम के पक्ष में नहीं गया है। भारत लगातार दूसरी टी-20 सीरीज हार चुका है। इंग्लैंड दौरे से पहले टीम को आयरलैंड के खिलाफ 2-0 से सीरीज गंवानी पड़ी थी, जो भारत की आयरलैंड के खिलाफ पहली टी-20 सीरीज हार थी।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी-20 में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन बनाए। कप्तान अय्यर ने 49 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। जवाब में इंग्लैंड ने 159 रन का लक्ष्य 13.5 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

इंग्लैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ दो या उससे अधिक मैचों की बाइलेटरल टी-20 सीरीज जीती। इंग्लैंड से पहले आयरलैंड के खिलाफ भी 2 टी-20 मैचों की सीरीज में भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय टीम को 2023 के बाद किसी टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान श्रेयस ने कोहली की बराबरी की

ब्रिस्टल, एजेंसी

इंग्लैंड ने पहली बार भारत से 2+ मैचों की टी-20 सीरीज जीती वैभव फिर फ्लॉप रहे

इंग्लैंड ने चौथे टी-20 में भारत को 9 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की बढ़त बना ली। इसके साथ ही इंग्लैंड ने पहली बार भारत को दो या उससे ज्यादा मैचों की टी-20 सीरीज में हराया।

2018 के बाद यह पहली बार है, जब भारत इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी फॉर्मेट में सीरीज हारा है। ब्रिस्टल में कप्तान श्रेयस अय्यर ने लगातार छठा टॉस जीतकर विराट कोहली की बराबरी की, लेकिन उनकी नाबाद 80 रन की पारी भी टीम को हार से नहीं बचा सकी। वहीं 15 साल के वैभव सूर्यवंशी लगातार तीसरे मैच में फ्लॉप रहे और सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हुए।

2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड ने भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। दोनों टीमों के बीच अब तक 10 सीरीज खेली गई हैं। इनमें भारत ने 5 और इंग्लैंड ने 4 जीती है। एक सीरीज ड्रॉ रही थी। श्रेयस ने टी-20 में टॉस जीतने के मामले में विराट कोहली की बराबरी कर ली। उन्होंने लगातार छठवीं बार टॉस जीता। भारत के लिए लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने का रिकॉर्ड महेंद्र सिंह धोनी के नाम है। उन्होंने 2010 से 2012 के बीच 7 टॉस जीते थे। श्रेयस ने कप्तानी डेब्यू के बाद लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

फ्रांस लगातार तीसरे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में पहुंचा

मोरक्को को 2-0 से हराया, एम्बाप्पे ने मेसी की बराबरी की, दोनों के 8-8 गोल

लॉस एंजिल्स, एजेंसी

फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले टीम 2018 और 2022 के फाइनल में पहुंची थी।

पहले हाफ में पेनल्टी चूकने वाले कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दूसरे हाफ के 60वें मिनट में गोल दागा। इसके 6 मिनट बाद उस्मान डेम्बेले ने दूसरा गोल कर फ्रांस की जीत पक्की कर दी। अब फ्रांस का सामना सेमीफाइनल में स्पेन और बेल्जियम के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

एम्बाप्पे के इस टूर्नामेंट में 8 गोल हो गए हैं। उन्होंने अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है। हालांकि, 3 असिस्ट की बदौलत एम्बाप्पे गोल्डन बूट की दौड़ में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि मेसी के नाम 8 गोल और 1 असिस्ट है। सभी वर्ल्ड कप मिलाकर एम्बाप्पे अब 20 गोल कर चुके हैं। उनसे आगे सिर्फ मेसी हैं, जिनके नाम 21 गोल दर्ज हैं। वहीं, मोरक्को की हार के साथ टूर्नामेंट में अफ्रीका की आखिरी टीम भी बाहर हो गई।

फ्रांस ने शुरुआत से ही मोरक्को पर दबाव बना दिया। 5वें मिनट में एम्बाप्पे के शॉट को गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाया। इसके बाद दायो उपामेकानो का हेडर भी बूनू ने रोक दिया। उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए और माइकल ओलीसे ने भी लगातार शॉट मारे, लेकिन मोरक्को के डिफेंडर्स और गोलकीपर ने फ्रांस को बढ़त नहीं लेने दी। 26वें मिनट में नौसैर मजराउई ने बॉक्स के अंदर एम्बाप्पे को गिरा दिया और फ्रांस को पेनल्टी मिली। एम्बाप्पे का शॉट बूनू ने सही दिशा में डाइव लगाकर रोक दिया। इसी वजह से पहले हाफ तक मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा।

ब्रेक के बाद फ्रांस ने अटैकिंग गेम जारी रखा और 60वें मिनट में एम्बाप्पे ने बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गोल कर दिया।

12 दिसंबर को खेला जाएगा मैच, पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में ऐलान किया

चेपॉक स्टेडियम में होगा बिग बैश का ओपनिंग मैच

मेलबर्न, एजेंसी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री और विक्टोरिया प्रीमियर जैसिंटा एलन के साथ सेल्फी लेते मोदी।

चेन्नई का एम.ए. चिदंबरम (चेपॉक) स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (BBL-16) के ओपनिंग मैच की मेजबानी करेगा। यह पहला मौका है, जब भारत किसी विदेशी क्रिकेट लीग का मैच होस्ट करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे दिन यह ऐलान किया है।

PM मोदी शुक्रवार 10 जुलाई को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) पहुंचे। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ, पूर्व महिला क्रिकेटर लीसा स्टाल्कर भी मौजूद रहे। मोदी के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2026-27 सीजन का शेड्यूल जारी किया। इसके अनुसार BBL-16 का ओपनिंग मैच 12 दिसंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में मेलबर्न रेनेगेड्स और मौजूदा चैंपियन पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच होगा। रेनेगेड्स इस मैच में होस्ट टीम होगी। यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:40 बजे शुरू होगा। BBL के भारत में आयोजन की तैयारी कई महीने पहले ही शुरू हो गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने IPL 2026 के दौरान चेपॉक स्टेडियम का दौरा किया था। टीम ने स्टेडियम की सुविधाओं, पिच, लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

भारत पहली बार विदेशी क्रिकेट लीग का मैच कराएगा

बिग बैश लीग के इतिहास में पहली बार कोई मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसे दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में अपनी पहुंच बढ़ाने और लीग को वैश्विक पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है। ऑस्ट्रेलिया में इसका सीधा प्रसारण चैनल सेवन, 7प्लस, कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट पर होगा, जबकि भारत में जियोस्टार इसका प्रसारण करेगा।

मनोरंजन

फटे जूतों के वायरल वीडियो पर सनी देओल की फिरकी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सनी देओल गुरुवार को अपनी फिल्म 'इक्का' की स्क्रीनिंग के इवेंट में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने हालिया 'जूता विवाद' पर मजाकिया अंदाज में रिएक्शन दिया।

दरअसल, कुछ दिन पहले 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सनी देओल के पहने हुए सफेद रंग के घिसे जूते चर्चा का विषय बन गए थे। वायरल वीडियो में उनके जूते का पिछला हिस्सा दिखाई देने के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया और इस पर कई मीम्स भी बने। अब फिल्म के एक इवेंट में सनी देओल ने खुद इस मामले पर चुटकी ली। पैपराजी के सामने पोज देते हुए उन्होंने मुस्कुराकर कहा, 'अरे, जूता नहीं लेना किसी ने?' उनके इतना कहते ही वहां मौजूद पैपराजी हंस पड़े। इस पर एक पैपराजी ने जवाब दिया, 'जूता तो सर फुल फ्रेम में आ ही रहा है।' इसके बाद सनी देओल हंसते हुए आगे बढ़ गए। 'इक्का' की स्क्रीनिंग के दौरान सनी देओल क्लीन-शेव लुक में नजर आए। उन्होंने ब्लू चेक वाली कैजुअल शर्ट और कैप पहनी थी। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनके इस लुक की तुलना धर्मेंद्र के पुराने अंदाज से की।

इवेंट में बोले- किसी ने जूते की फोटो नहीं लेनी, धर्मेंद्र जैसी शर्ट पहनकर पहुंचे

जब पंकज उधास ने सिखाया था छुपकर मोहब्बत करने का सलीका

नई दिल्ली। पंकज उदास एक बेहतरीन गायक थे। उनकी मखमली आवाज दिल में सुकून भर देते। फिल्मों में तो उन्होंने एक से बढ़कर एक गानों को आवाज दी ही, खुद के म्यूजिक एल्बम के जरिए भी कल्ट क्लासिक गाने बनाए जो सदाबहार बन गए। पंकज उदास का एक गाना आज भी मोहब्बत की परिभाषा गढ़ता है। उन्होंने यह गीत किसी फिल्म के लिए नहीं गाया था। इसे उन्होंने अपने म्यूजिक वीडियो के लिए क्रिएट किया। मगर इस गाने ने उस वक्त इतनी सफलता हासिल की थी कि फिल्मी गाने भी फीके पड़ गए।

पंकज उदास का ये गीत 28 साल बाद भी म्यूजिक लवर्स का फेवरेट बना हुआ है। इस गीत के हर बोल छुपकर मोहब्बत करने का सलीका सिखाता है। यह गीत खामोशी और शांत प्रेम की परिभाषा बताता है।

राघव जुयाल की बर्थडे पार्टी में पहुंचे आर्यन खान

सेल्फी लेने के चक्कर में फैन गिरा, शाहरुख के बेटे ने तुरंत बढ़कर की मदद

मुंबई। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान गुरुवार रात डांसर-एक्टर राघव जुयाल की बर्थडे पार्टी में पहुंचे। आर्यन को देखते ही फैंस की भीड़ जुट गई। लोगों ने उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश की। इस दौरान एक फैन गिर पड़ा, जिसके बाद आर्यन आगे बढ़े और तुरंत उसे संभाला। इसका वीडियो सामने आने के बाद फैंस आर्यन की सादगी और मदद करने वाले स्वभाव की तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, 'आर्यन ने गिरे हुए शख्स को तुरंत उठाकर सबका दिल जीत लिया।' आर्यन सबसे आगे चलते नजर आए। वहीं, उनके पीछे राघव जुयाल और शहनाज गिल साथ दिखाई दिए। वीडियो में शहनाज, राघव का हाथ थामे बाहर निकलती नजर आईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो राघव जुयाल की अपकमिंग फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' का ट्रेलर कल रिलीज हुआ। ट्रेलर में राघव कॉमिक अवतार में नजर आ रहे हैं। वह फिल्म में अजय सिंह का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में संजय कपूर, चंदन रॉय सान्याल, बरखा सिंह, टीना देसाई और विवान भटेना समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

लिफ्ट में नीचे बैठते दिखे आर्यन

आर्यन का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें वह लिफ्ट में भीड़ के बीच उसके अंदर नीचे बैठते हुए नजर आ रहे हैं। पार्टी खत्म होने के बाद आर्यन चुपचाप निकलना चाहते थे, लेकिन भीड़ के कारण ऐसा नहीं हो सका। इस दौरान उनकी सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ मौजूद रहे। बता दें कि राघव ने आर्यन की डायरेक्शन में बनी वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में काम किया था। राघव की बर्थडे पार्टी में आर्यन के अलावा कई सेलेब्स ने शिरकत की, जिनमें शहनाज गिल, मुनव्वर फारूकी, बादशाह, सान्या मल्होत्रा, मोना सिंह, संजय कपूर और अमीषा पटेल शामिल थे।

तलाक की अफवाहों पर बोले प्रिंस नरूला-युविका चौधरी

एक समय अलग होने का मन बना लिया था, एंग्जाइटी से साथ जूझा कपल

नई दिल्ली। टीवी कपल प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने अपनी शादी टूटने और तलाक की अफवाहों पर पहली बार खुलकर बात की है। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो 'डबल डेट' में कपल ने माना कि एक समय उनके बीच हालात इतने मुश्किल हो गए थे कि उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया था।

दरअसल, कुछ समय पहले दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया था और प्रिंस के एक व्लॉग के बाद उनके अलग होने की खबरें थीं, जिससे फैंस के बीच उनके रिश्ते को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। प्रिंस नरूला ने चैट शो में सफाई देते हुए बताया कि उनके एक पुराने व्लॉग की बात को लोगों ने पूरी तरह गलत समझ लिया था। प्रिंस के मुताबिक, उस समय वे काफी दबाव में थे। युविका की प्रेग्नेंसी चल रही थी, नया घर बन रहा था और काम का भी प्रेशर था। वे चाहते थे कि बच्चा नए घर में आए। धूल-मिट्टी से एलर्जी से बचाने के लिए उन्होंने युविका को कुछ समय के लिए उनकी मां के घर भेज दिया था। व्लॉग में प्रिंस ने कह दिया कि 'हम अब साथ नहीं रहते', जिसका मतलब सिर्फ अलग-अलग घर था, लेकिन लोगों ने इसे तलाक से जोड़ दिया।

प्रिंस नरूला ने स्वीकार किया कि उनके रिश्ते में एक ऐसा दौर भी आया था जब दोनों मानसिक रूप से बहुत थक चुके थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि उन्होंने अलग होने के बारे में भी सोच लिया था। प्रिंस ने कहा कि उस समय न तो युविका गलत थीं और न ही मैं गलत था। हम दोनों ही सही मानसिक स्थिति में नहीं थे। हालांकि, उन्होंने इस मुश्किल दौर का सामना किया और अपने रिश्ते को टूटने से बचा लिया। मां बनने के बाद के अनुभव पर बात करते हुए युविका चौधरी भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि डिलीवरी के बाद का समय शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत कठिन था।

फिर कमाल करने से चूकी धमाल 4, कमजोर वीएफएक्स और घिसी-पिटी कहानी ने बिगाड़ा खेल

मुंबई। केवल फ्रेंचाइज को भुनाने के लिए जब फिल्म बनती है, तो उसका हाल कुछ ऐसा ही होता है, जैसे डबल धमाल (2011) और टोटल धमाल (2019) के बाद अब धमाल 4 (Dhamaal 4) का हुआ है। धमाल फ्रेंचाइज की यह चौथी फिल्म बेहद निराश करती है। फिल्म के अंत में धमाल 5 (Dhamaal 5) बनने का संकेत भी है, जिसे फिलहाल इसके निर्माताओं को छोड़ देना चाहिए, अगर उनके पास ढंग की कहानी न हो।

इस बार भी फिल्म में खजाने की खोज है। सौ साल पहले समुद्री लुटेरे शैतान सिंह ने अंग्रेजों से खजाना लूटकर उसे एक टापू पर छुपा दिया था। उसने एक नक्शा भी बनाया था, जो वर्तमान में पृथ्वी (उपेंद्र लिमये) के हाथ लगा है। समुद्री लुटेरा अधूरा (रवि किशन) उससे वह नक्शा छीनने में कामयाब तो हो जाता है, लेकिन गलती से वह नक्शा उससे जल जाता है। पहाड़ से गिरने से पहले पृथ्वी खजाने का पता गुड्डू (अजय देवगन), लल्लन (रितेश देशमुख), आदी (अरशद वारसी), मानव (जावेद जाफरी) के साथ कुछ और लोगों को बता देता है, जिसके बाद सब उसकी खोज में निकल जाते हैं। धमाल ने जो कमाल साल 2007 में दिखाया था, वह कमाल दोबारा अब तक नहीं हुआ है। इस फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और संवाद पारितोष पेंटर, बलविंदर सिंह सूरी, बंटी राठौड़, वेद प्रकाश ने लिखी है, जो घिसी-पिटी और पुराने दौर की लगती हैं, जबकि पारितोष, बलविंदर और बंटी धमाल फिल्म के मिजाज से वाकिफ हैं, वह पहली धमाल के लेखक रह चुके हैं।

कोर्ट में सरेंडर करूंगी, हत्या हो जाए तो भी मंजूर, देश की मिट्टी पर मरना चाहती हूं

दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगी : शेख हसीना

बयान

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश देश लौटेंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवामी लीग के कई सीनियर नेता भी बांग्लादेश लौटकर आत्मसमर्पण करेंगे।

हसीना ने कहा कि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगातार कार्रवाई हो रही है। उनके मुताबिक, लगभग सभी बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं और कई लोग छिपकर रहने को मजबूर हैं। हालांकि, उन्होंने वापसी की सटीक तारीख नहीं बताई। रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा,

हसीना 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद उन्हें छात्र आंदोलन पर कार्रवाई से जुड़े मामले में मौत की सजा सुनाई गई। वह इन आरोपों से इनकार करती रही हैं।

हालांकि, हसीना के इस दावे पर बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं भारत ने भी फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले अप्रैल में भारत ने कहा था कि वह बांग्लादेश के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है और नई सरकार के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। शेख हसीना ने कहा कि उन्हें जेल जाने का डर नहीं है, क्योंकि वह पहले भी कई बार गिरफ्तार हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में लंबे समय तक रहने वाली किसी भी सरकार से गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उसका फैसला अदालत नहीं, जनता को करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हमारी सरकार से गलतियां हुई हैं, तो जनता फैसला करेगी।

> रॉयटर्स के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में 2024 के छात्र आंदोलन पर कार्रवाई में करीब 1,400 लोगों की मौत होने की बात कही गई है। इसी मामले में शेख हसीना को अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। हसीना ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अदालत की सुनवाई शुरू होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी।

हसीना बोलीं- सरकार से वापसी पर कोई बातचीत नहीं

शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश लौटने को लेकर सरकार से कोई बातचीत नहीं की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र, चुनाव, अवामी लीग के राजनीतिक अधिकार और न्याय जैसे मुद्दों पर पर्दे के पीछे बातचीत नहीं हो सकती।

हसीना ने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस भेजने के लिए भारत को लगातार पत्र लिख रही है। उन्होंने कहा, ऐमुझे वापस लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, मैं खुद ही लौटूंगी।

टीसीएस ने पहली तिमाही में जोड़े 9,200 से ज्यादा कर्मचारी

नेट प्रॉफिट 5% बढ़कर 13,349 करोड़ हुआ, 12 प्रति शेयर डिविडेंड का देगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी

आईटी सर्विसेज कंपनी TCS ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जून को खत्म हुई इस तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या पिछले क्वार्टर के मुकाबले 9,200 से ज्यादा बढ़कर 5,93,798 पहुंच गई है। इसके साथ ही सालाना आधार पर कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 5% बढ़कर 13,349 करोड़ रुपए रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में TCS के कुल कर्मचारियों की संख्या 5,84,519 थी, जो अब बढ़कर 5,93,798 हो गई है। यह बढ़ोतरी कंपनी के लिए एक वापसी की तरह है, क्योंकि इससे पहले लगातार तीन तिमाहियों तक हेडकाउंट में गिरावट देखी गई थी। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में कर्मचारियों की संख्या 6,13,069 के पीक पर थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही तक गिरकर 5,82,163 के निचले स्तर पर आ गई थी।

TCS के तिमाही फैक्टशीट के मुताबिक, IT सर्विसेज बिजनेस में स्वैच्छिक एट्रिशन रेट यानी, नौकरी छोड़ने की दर पिछले 12 महीनों के आधार पर 13.6% रही है। कंपनी ने हाल के क्वार्टर में इस स्तर को बड़े पैमाने पर बनाए रखा है। इसके साथ ही कुल वर्कफोर्स में महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी 35% है। कंपनी में कुल 148 अलग-अलग देशों के लोग काम करते हैं।

कंपनी का नेट प्रॉफिट एक साल पहले की समान तिमाही के 12,760 करोड़ रुपए के मुकाबले 5% बढ़कर 13,349 करोड़ रुपए रहा है। इस अवधि के दौरान ऑपरेशंस से मिलने वाला रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 14% बढ़कर 72,275 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 12 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दी है और इसके लिए 15 जुलाई को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इस तिमाही में कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 9.5 बिलियन डॉलर रही है।

फास्ट न्यूज

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ जापान' ने दागीं 111 मिसाइलें

अंकारा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने एक अजीबोगरीब बयान को लेकर चर्चा में हैं। तुर्किये में आयोजित NATO शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने ईरान के बारे में बात करते हुए 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ जापान' कह दिया।

इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इस देश ने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत पर 111 मिसाइलें दागी थीं।

सीजफायर टूटने से मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव

यरुशलम। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका-ईरान सीजफायर को समाप्त घोषित किए जाने के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। इस बीच, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को एक बड़ा बयान देते हुए चेतावनी दी है कि ईरान के साथ संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है और इजरायल के सामने नई सुरक्षा चुनौतियां खड़ी हैं। नेतन्याहू का यह बयान उस समय आया है जब हाल ही में पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुआ शांति समझौता पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है, जिससे दोनों देशों के बीच फिर से बड़े पैमाने पर टकराव की आशंका बढ़ गई है।

ईरान के बुशहर समेत कई इलाकों में धमाके

तेहरान। गुरुवार को ईरान के दक्षिणी हिस्से में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। ईरान की स्थानीय समाचार एजेंसी मेहर की रिपोर्ट के अनुसार, देश के दक्षिणी क्षेत्रों के कई इलाकों में इन विस्फोटों को सुना गया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, ये धमाके कोनारक, चोगडक और बुशहर में सुने गए हैं। यह घटना इसलिए भी बेहद गंभीर और संवेदनशील मानी जा रही है क्योंकि बुशहर वही इलाका है, जहां ईरान का एक महत्वपूर्ण न्यूक्लियर प्लांट स्थित है।

सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 77,500 पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

आज यानी शुक्रवार, 10 जुलाई को सेंसेक्स 700 अंक (0.95%) की तेजी के साथ 77,500 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 200 अंकों (0.90%) की तेजी है, ये 24,150 पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में आईटी और मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी है।

2026-2027 की पहली तिमाही के नतीजों के बाद टीसीएस के शेयर में आज 2% से ज्यादा की तेजी है। ये 2090 रुपए के करीब ट्रेड कर रहा है। बीते 6 महीने में टीसीएस का शेयर करीब 30 परसेंट गिरा है। वहीं एक साल में ये 40% टूटा है।

टीसीएस का नेट प्रॉफिट एक साल पहले की समान तिमाही के 12,760 करोड़ रुपए के मुकाबले 5% बढ़कर 13,349 करोड़ रुपए रहा है। इस अवधि के दौरान ऑपरेशंस से मिलने वाला रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 14% बढ़कर 72,275 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 12 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दी है और इसके लिए 15 जुलाई को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

- **टीसीएस के नतीजों के बाद शेयर 2% से ज्यादा चढ़ा**
- **निफ्टी भी 200 अंक ऊपर; आईटी और मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी**

अमेरिका ने चीन-रूस से जुड़े पुल पर मिसाइल दागी, 2 दिन में 170 ठिकानों पर हमला

होर्मुज में दखल दिया तो करारा जवाब देंगे : ईरान

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

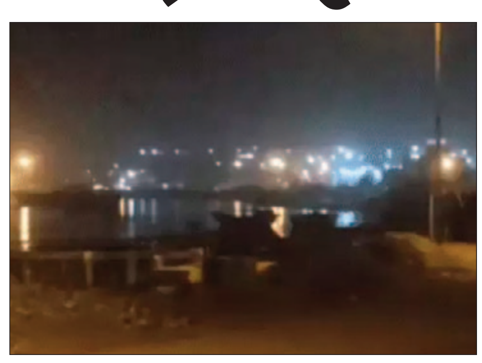

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज स्ट्रेट में दखल दिया तो करारा जवाब दिया जाएगा। ईरानी न्यूज एजेंसी IRNA के मुताबिक, IRGC ने कहा कि अमेरिका ने हमला जारी रखा तो होर्मुज सामान्य नहीं हो पाएगा और कई देशों को आर्थिक नुकसान होगा।

दूसरी ओर, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि अमेरिका ने उत्तरी ईरान में चीन और रूस से जुड़े एक रणनीतिक रेलवे पुल पर क्रूज मिसाइल से हमला किया।

अमेरिका ने पिछले 2 दिनों में ईरान के 170 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, हमलों में एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन और मिसाइल भंडार, सैन्य स्पीड बोट और होर्मुज स्ट्रेट के पास तटीय इलाकों में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि गुरुवार शाम को दो अलग-अलग शहरों में स्थित दो ईरानी सैन्य ठिकानों को कई हमलों में निशाना बनाया गया है। हालांकि, एक अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन (CNN) को बताया कि अमेरिकी सेना इस समय कोई हमला नहीं कर रही है। डेमोक्रेटिक सीनेटर एड मार्की ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प की आलोचना की है। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस (संसद) के विरोध के बावजूद ट्रम्प इस युद्ध को आगे बढ़ा रहे हैं।

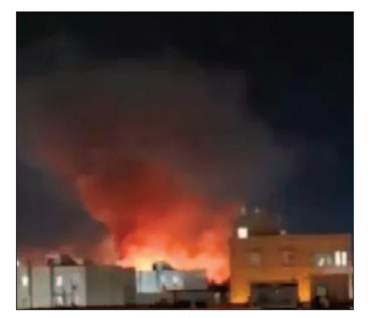

बुशहर पर अमेरिकी हमले के बाद आग और धुआं उठता नजर आया।

खामेनेई को इमाम रजा दरगाह में दफनाया गया

गुरुवार को ईरान के मशहद शहर में इमाम रजा दरगाह में पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को दफनाया गया। इस दौरान उनके बेटे और नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से कहीं नजर नहीं आए।

रूस बोला- समझौते में सभी पक्षों का हित शामिल हो

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका-ईरान युद्ध को निष्पक्ष तरीके से खत्म करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जिसमें सिर्फ लड़ने वाले देशों का ही नहीं, बल्कि सभी पक्षों का हित शामिल हो। पत्रकारों से बात करते हुए लावरोव ने कहा कि इस मौजूदा स्थिति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है। इससे न केवल ईरान, उसके पड़ोसी देश और अमेरिका, बल्कि दुनिया के बाकी सभी देश भी किसी न किसी रूप में प्रभावित हो रहे हैं।

> अमेरिकी सेना ने मंगलवार देर रात ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिका ने बताया कि यह ईरान के होर्मुज में जहाजों पर हमले के जवाब में किया गया है।

विश्वविद्यालयों की छूट सीमित हो सकती है ग्रीन कार्ड से जुड़े नए नियम आना संभव

अमेरिका में एच-1बी वीजा के नियम सख्त हो सकते हैं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका का ट्रम्प प्रशासन नए इमिग्रेशन नियमों की तैयारी कर रहा है, जिससे एच-1बी वीजा, रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड और छात्र वीसा की प्रक्रिया पहले से अधिक सख्त हो सकती है।

प्रस्तावित बदलाव लागू होने पर भारतीय पेशेवरों, छात्रों और अमेरिकी कंपनियों के लिए नियमों का पालन करना अधिक कठिन और महंगा हो सकता है। ये प्रस्ताव अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग, श्रम विभाग और विदेश विभाग के एकीकृत रेगुलेटरी एजेंडा में शामिल हैं। इसके लिए अगस्त में बदलाव का प्रस्ताव आ सकता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने उठाया था। रुबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं। हालांकि, रुबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रुबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया।

उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

अगस्त में आ सकता है प्रस्ताव

एच-1बीः विश्वविद्यालयों और कुछ शोध संस्थानों को मिलने वाली एच-1बी कैप छूट सीमित की जा सकती है। कई ऐसे प्रस्ताव हैं जिनसे कंपनियों की लागत बढ़ सकती है।

ग्रीन कार्डः एच-1बी व ग्रीन कार्ड के लिए, लागू न्यूनतम वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव है। साथ ही भर्ती नियमों, अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी से जुड़े प्रावधानों और भेदभाव-रोधी उपायों में बदलाव प्रस्तावित हैं।

छात्र वीसाः प्रस्ताव के तहत विदेशी छात्रों के लिए मौजूदा 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' व्यवस्था खत्म कर निश्चित अवधि का प्रवास तय किया जा सकता है।

बीएसएनएल सैटेलाइट फोन लॉन्च बिना सिम-नेटवर्क के बात होगी

इमरजेंसी के लिए एसओएस सपोर्ट, खरीदने के लिए सरकार की मंजूरी जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी टेलीकॉम कंपनी BSNL ने भारत में नया सैटेलाइट फोन लॉन्च किया है। इसकी कीमत टैक्स मिलाकर 1,34,166 रुपए रखी गई है। यह रेगुलर स्मार्टफोन से बिल्कुल अलग है, जो बिना सिम और नेटवर्क के बजाय सीधे सैटेलाइट की मदद से काम करता है। फोन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि नेटवर्क विहीन और ऑफ-ग्रिड जगहों पर भी बिना किसी रुकावट के वॉयस कॉल करने की सुविधा देता है, जबकि आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले फोन नजदीकी मोबाइल टावर की मदद से काम करते हैं। सेटेलाइट फोन को खरीदने के लिए सरकार की मंजूरी लेना होगी। इस फोन का फायदा उन सुदूर इलाकों में भी काम करेगा, जहां मोबाइल नेटवर्क नहीं पहुंच पाते हैं। इससे आपदा या आपातकालीन स्थितियों में लोगों से संपर्क बनाए रखना आसान हो जाएगा। कंपनी ने बताया कि इस हैंडसेट को ग्लोबल सैटेलाइट नेटवर्क प्रोवाइडर 'इनमारसैट' के साथ पार्टनरशिप में बनाया गया है। यह आम फोन या गैजेट की तरह सीधे दुकान पर नहीं मिलेगा। भारत में सैटेलाइट फोन को लेकर कड़े नियम हैं। इस फोन को खरीदने या इस्तेमाल करने से पहले यूजर को डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस (DoT) से मंजूरी या ऑथराइजेशन लेना अनिवार्य होगा। सरकार की बिना मंजूरी के सैटेलाइट फोन रखना या इसे ऑपरेट करना भारतीय नियमों के तहत कानूनी कार्रवाई का कारण बन सकता है। BSNL का यह सैटेलाइट फोन रोजमर्रा के स्मार्टफोन यूजर्स के लिए नहीं है। इसे उन लोगों और ऑर्गेनाइजेशन्स के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में भरोसेमंद कम्युनिकेशन की जरूरत होती है।

वापसी : मेटा ने लॉन्च किया 'म्यूज स्पार्क 1.1' एआई मॉडल, ओपनएआई और एंथ्रोपिक से मुकाबला

एक्स पर 3 साल बाद लौटे मार्क जुकरबर्ग

वॉशिंगटन, एजेंसी

मेटा के CEO मार्क जुकरबर्ग ने तीन साल से अधिक समय के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर वापसी की है। उन्होंने कंपनी का सबसे नया और एडवांस AI मॉडल 'म्यूज स्पार्क 1.1' लॉन्च करने की घोषणा की है। जुकरबर्ग का यह कदम एआई मार्केट में OpenAI और एंथ्रोपिक जैसी दिग्गज कंपनियों को टक्कर देने की मेटा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

मार्क जुकरबर्ग ने अपने पोस्ट में लिखा, आज हम म्यूज स्पार्क 1.1 रिलीज कर रहे हैं। यह बहुत ही कम कीमत पर एक मजबूत एजेंटिक और कोडिंग मॉडल है। यह हमारे नए मेटा मॉडल API और मेटा AI में उपलब्ध है।' उन्होंने कहा कि यह मॉडल टूल यूज, कंप्यूटर यूज और एजेंटिक परफॉर्मेंस में सबसे मजबूत है। यह 10 लाख टोकन कॉन्टेक्स्ट विंडो के साथ लंबे समय तक चलने वाले टास्क को आसानी से पूरा कर सकता है। यह समानांतर चलने वाले सब-एजेंट्स को काम सौंपने में सक्षम है और इसे डेस्कटॉप, मोबाइल या ब्राउजर पर कंप्यूटर इंटरफेस का उपयोग करने के लिए ट्रेन किया गया है। इस मॉडल को मेटा की 'सुपरइंटेलिजेंस लैब्स' ने डेवलप किया है। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल में अपना ओरिजिनल म्यूज स्पार्क मॉडल पेश किया था, जिसका मकसद एआई के क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वियों के साथ अंतर को कम करना था। इस नए लॉन्च के साथ मेटा ने पेड एआई मॉडल API मार्केट में औपचारिक रूप से एंट्री कर ली है। मेटा मॉडल API के लिए साइन अप करने वाले डेवलपर्स को 20 डॉलर का फ्री क्रेडिट मिलेगा, जिसके बाद वे 'पे-एज-यू-गो' (जितना इस्तेमाल, उतना भुगतान) प्राइसिंग मॉडल पर शिफ्ट हो जाएंगे।

> जुकरबर्ग ने बताया कि डेवेलपर्स म्यूज स्पार्क का उपयोग करके नए एप्लिकेशन्स बना सकेंगे। कंपनी का पूरा फोकस बहुत कम लागत पर मजबूत एजेंटिक और मल्टीमॉडल मॉडल देने पर है। अमेरिका में डेवेलपर्स अब मेटा मॉडल एपीआई के पब्लिक प्रीव्यू के जरिए म्यूज स्पार्क 1.1 का एक्सेस पा सकते हैं।

कम इंसानी दखल के पूरे होंगे जटिल काम

मेटा ने इस अपग्रेडेड मॉडल को कोडिंग, एजेंटिक वर्कफ्लो और सॉफ्टवेयर ऑटोमेशन के लिए अपना अब तक का सबसे सक्षम एआई सिस्टम बताया है। यह मॉडल न केवल कोड लिख और डिबग कर सकता है, बल्कि सॉफ्टवेयर टूल्स के साथ इंटरैक्ट भी कर सकता है। यह टेक्स्ट, इमेज और वीडियो को समझकर बिना किसी इंसानी हस्तक्षेप के बेहद जटिल और मल्टी-स्टेप टास्क को पूरा करने की क्षमता रखता है।

डोनल्ड ट्रंप के नाम पर रखा गया फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम

पद पर रहते हुए यह सम्मान पाने वाले बने पहले राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों द्वारा राष्ट्रीय स्मारकों से लेकर बैंक नोटों तक हर जगह उनका नाम और तस्वीर लगाने की मुहिम के बीच, गुरुवार को फ्लोरिडा के एक हवाई अड्डे का नाम बदलकर डोनल्ड ट्रंप के नाम पर रख दिया गया है। ट्रंप ने गुरुवार देर रात ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जल्द ही दुनिया के सबसे महान और शानदार हवाई अड्डों में से एक होगा! रिपब्लिकन नेता के बेटे एरिक ट्रंप ने निजी पारिवारिक बोइंग 757 से उतरकर इस बदलाव का जश्न मनाया,बोइंग 757 को ट्रंप फोर्स वन कहा जाता है। यह हवाई अड्डा लगभग आधी सदी से पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में जाना जाता था। फॉक्स न्यूज के अनुसार, परिवार के मार-ए-लागो गोल्फ रिसॉर्ट से कुछ ही दूरी पर स्थित नए प्रेसिडेंट डोनल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एरिक ट्रंप ने मुस्कुराते हुए इसे एक खूबसूरत दिन बताया। इस नामकरण को फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डीसेंटिस ने कानून बनाकर मंजूरी दी। एरिक ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि पाम बीच और शायद पूरे फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा कोई और नाम जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे से बाहर जाने वाली मुख्य सड़क का नाम पहले से ही प्रेसिडेंट डोनल्ड जे. ट्रंप बुलेवार्ड है। उन्होंने कहा कि अब पाम बीच आने वाले किसी भी यात्री के टिकट पर हमेशा के लिए 'DJT' लिखा होगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676